

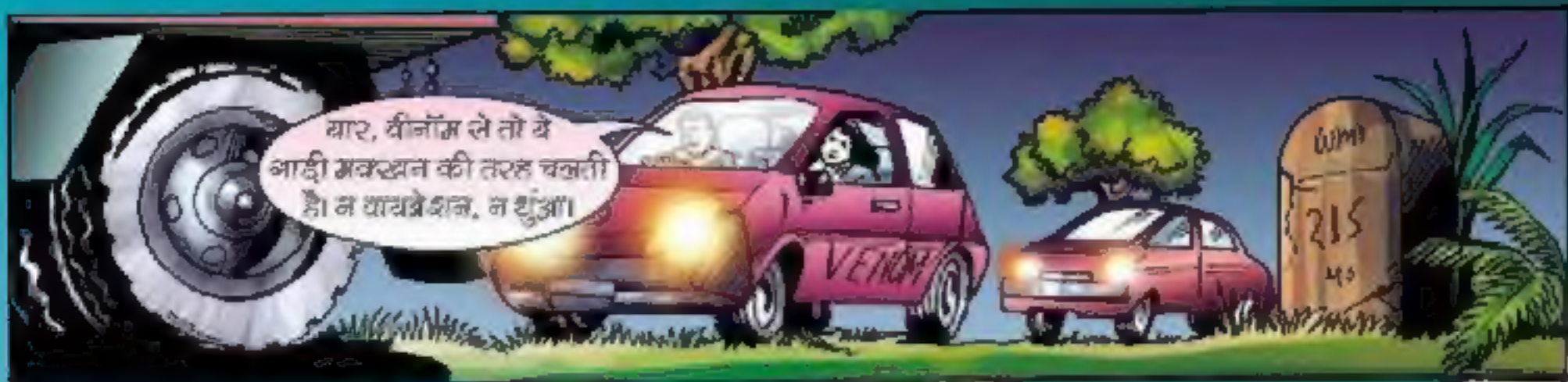


वीजाँल्स

नागराज



By: *Prakash*
For: *Raj Comics*
COUNTO



इंसान हमेशा अपनी एक आदत के कारण अपना अस्तित्व खतरे में डालता आया है। अपने क्षणिक फायदे की खातिर अपनी जान और पर्यावरण को हाथ पर लाने की आदत और वीनॉम जैसे फ्यूल को बिना जांचे परखो अपना खेना भी इसी लाजबक कर परिणाम था।

परंतु ये लाजबक इस बार जानकों के अस्तित्व पर भारी पड़ने वाला था।

इसमें कोई शक नहीं

है कि वीनॉम एक क्रांतिकारी ईंधन है। बरनों से हम ऐसे ही ईंधन की तलाश में थे जो इंसान को सस्ती और शुद्ध ऊर्जा देने के साथ-साथ सितारों तक सफर करने की क्षमता दे सके। वीनॉम से ही इंसान का यह सपना पूरा हो सकता है।

लेकिन मिस्टर प्रेसीडेंट,

वीनॉम को अभी एक प्राइवेट कंपनी बना रही है। वीनॉम क्या है, हम वे भी नहीं जानते और इसकी सफाई भी कई देशों में नहीं आ पा रही है। ऐसे ईंधन के आधार पर पेट्रोलियम को करकितार करना ठीक नहीं है।

हम पेट्रोलियम को साथ लेकर चल रहे हैं और वह मत भूलिये कि पेट्रोलियम पर भी बहुत ही देशों का पुकाधिकार है। पेट्रोल पचास सालों में खत्म हो जाएगा। इसीलिए हमको अविव्य अभी से सुनिश्चित करना होगा और वीनॉम अविव्य का ईंधन है...

संजय गुप्ता पेश करते हैं।

वीनॉम

राज कॉमिक्स है मेरा जनून!

अब तक की कहानी जानने के लिए पढ़ें—
नानासा के बाद, फ्यूल

कथा एवं चित्रांकन
अनुपम सिन्हा

इंकिंग
हकिमन

डिजिटल कॅलीग्राफी
हरीश शर्मा

इफेक्ट्स
प्रवीन सिंह

सह सम्पादक
मंदार जंजेले

सम्पादक
मनीष गुप्ता

ये जीत वीनॉम की पेट्रोलियम के ऊपर नहीं थी। बल्कि इंसान के विवेक के ऊपर इंसान के हावभाव की थी।

ये... ये
नागराज तुम्हारे
पास कैसे आया?
ये तो तुम्हारे डेबन
के जीवें दबकर
मर गया
था।

ऐन वक़्त पर
नागराज की इच्छाधारी
शक्ति ने उसे इच्छाधारी कणों
में बिखेर दिया था। मुझे
इसकी आशंका थी।

इसीलिए मैं तैयार था।
और ऐसा होते ही मैंने उसकी
शरीर के कणों को अपने
पास खींच लिया।

पर इसका कोई फायदा
नहीं हुआ। नागराज तो मिल गया परंतु
इसके शरीर के ऊपर को डेबनार ने नष्ट कर
दिया है। अब मैं इसको इसी उम्मीद में पिंदा रखे हुए
हूँ कि शायद इसके शरीर में विष बनने की प्रक्रिया
फिर से शुरू हो सकें। फ़िरहाल तो इसके शरीर
में न जहर है न पुक भी सांप। अब आओ, हम
को अभी उस दूसरे इच्छाधारी नाग से
काफी जानकारी निकालायी है।

फिर तो मामला
और उलझ गया है। अब
यह अजनबी नागराज
नहीं है...

तो फिर वह
कोन है?

उसकी चिंता
मत करो।

अब नागराज मेरे सामने
नहीं दिख पाया तो वह अजनबी अला
क्या स्टाक टिकेगा?



किंवा अभी न्यूज आई है कि एक वीनोम कार मेशनल हाइवे 103 पर फट गई है। तीन लोग मारे गए हैं। वो सवार और एक बचाने वाला।

शुरुआत में तो ऐसा होता ही है। इंजन में कुछ कमियां होती हैं। धीरे-धीरे हमारे टेक्नीशियन उन्हें ठीक कर रहे हैं।



इंजन परफेक्ट होना चाहिए, किंवा।



हम जानते हैं कि वीनोम किंग चीत्र से बला है। मैं बात लगाकर कर सकला हूं कि तीनों जहरीले थुंठु के कारण मरे हैं।



मैं लालची जरूर हूं। पर मैं व्यापारी हूं। ऐसे घटिया इंजन बनाने से वीनोम की सारथि बिदेसी और हमारा प्रॉफिट भी।

या तो तुम अपने इंजन में तुरंत सुधार करो या हमारी पार्टनरशिप खत्म।



वो तो... मैं करूंगा। फिलहाल तो तुम ये सोचने में ध्यान लगाओ...

"...कि वह अजनबी आखिर है कौन?"

याही...तुमको संकेत मिला कि तुमको मुझे बचाना है। और तुम मुझे बचाने आ पहुंचे।

न तो तुमको ये पता है कि वह संकेत तुमको कहां से मिला और न ही तुमको ये पता है कि तुमने उन सैनिकों को इतनी आसानी से कैसे पीट लिया।

बिल्कुल ठीक।

अब अगर हम एक दूसरे के बारे में और ज्यादा नहीं जान सकते तो कम से कम अपने दुश्मन के बारे में तो जान सकते हैं ना कौन थे वे?

किंग वल्लेन के मेमरा! और मुझे पुरा वकील है कि नागराज की मौत के पीछे इनका ही हाथ है। अब क्या मैं जान सकती हूं कि हम कहां जा रहे हैं?

मुझे शिफ्ट दिशा पता है। स्थान का नाम मैं नहीं बता सकती। पर वह स्थान जो भी है...

"वहां पर हमारी दुश्मनों से अगली मुलाकात होने वाली है।"

मेरी शिपिंग कंपनी के कई तैम टैंकर भूट रहे हैं। पर कोई पुकृषण नहीं। कई देश की सरकारें अब पुकापुका पेट्रोलियम के साथ सौतेला व्यवहार कर रही हैं। वे वीनोम को बौरे सोचे समझे बढ़ावा दे रही हैं।

MR.C.MAMMOTH

CEO : ARIMCO PETROLEUM
PRESIDENT : WORLD PETROLEUM EC

पर वे जानती नहीं हैं कि वीनोम एक स्वतंत्रनाक और घातक ईंधन है। हमारे पास अभी-अभी खबर आई है कि आपके इसी शहर, मजानगर के पास हाइवे पर एक वीनोम कार फट गई है और तीन लोग मारे गए हैं।

मेरे पास इस बात की पक्की जानकारी है कि वीनोम को बनाना अब मुश्किल होता जा रहा है उसकी सप्लाइ फिर रही है। पर मैं पेट्रोलियम की सप्लाइ को बढ़ाऊंगा। आज से मेरे हर टैंकर के साथ प्राइवेट ऑर्गैस से मरी एक बोट चला करेगी।

मैं दुनिया के सामने सफाई की लाऊंगा। पेट्रोलियम को फिर से उसका सही स्थान दिलाऊंगा।

इसके मरने का भी समय आ गया है। अब इसकी मौत ही...

"...मेरी जीत को सुनिश्चित कर सकती है।"

यहां पर तो मुझे ऐसी कोई शक्ति नजर नहीं आ रही है जो हमारी दुश्मन हो।

पर मुझे आभास हो रहा है।

खैर, समुद्र तट तक मुझे जाने के लिए शक्तियां अब मुझे कहीं और जाना है।



मुझे लक्ष्यीय जाकर सबको सावधान करना होगा और नाजारुन को बचाने के लिए मदद के साथ वापस आना होगा। वैसे नाजारुन को बचाने में वह अपनी मेरी मदद कर सकता है। पर अभी तक मैं यह तय नहीं कर पाई हूं कि मैं इस पर विश्वास करूं या नहीं।

हे! कवर बैट! ये... ये कौन है।

पहले उड़ता देखना और अब उड़ता आदमी? इंसान की अ वैसी सुपरमैन!



आप कौन हैं? और कहां से आप हैं?


ये... ये उड़ने की शक्ति आपके अंदर मौजूद है या फिर आप किसी जैजेंट का यूज करते हैं?

आपका यहां पर आने का क्या मतलब है? क्या आप यहीं से आप हैं जहां से वह उड़ता देखना आया था?

आप लोभ थे जगह जितनी जल्दी हो सके, खाली कर दें क्योंकि इस जगह पर...

...भारी मुसीबत आने वाली है।





ओह! तो वे वह
खतरा था जिसका तुमको
आभास हो रहा था।

शायद।

प... पर ये वहां पर
क्यों आया है? मेरे लिए तो
नहीं। क्योंकि मैं तो अभी-
अभी वहां पर आई हूँ।

शायद इसको मुझे
मारने के लिए भेजा गया
है। मेरे सुझाव मुझे मारने
में कोई कसर छोड़ना
नहीं चाहते।

शायद इसी का
आभास पाकर ये अजनबी
मुझे बचाने आया है।



सही समझे। मैं चाहता तो तुझे खोपड़ी में पकड़ भोली धंसाकर भी मार सकता था। पर अब एक तीर से तीन शिकार होंगे।

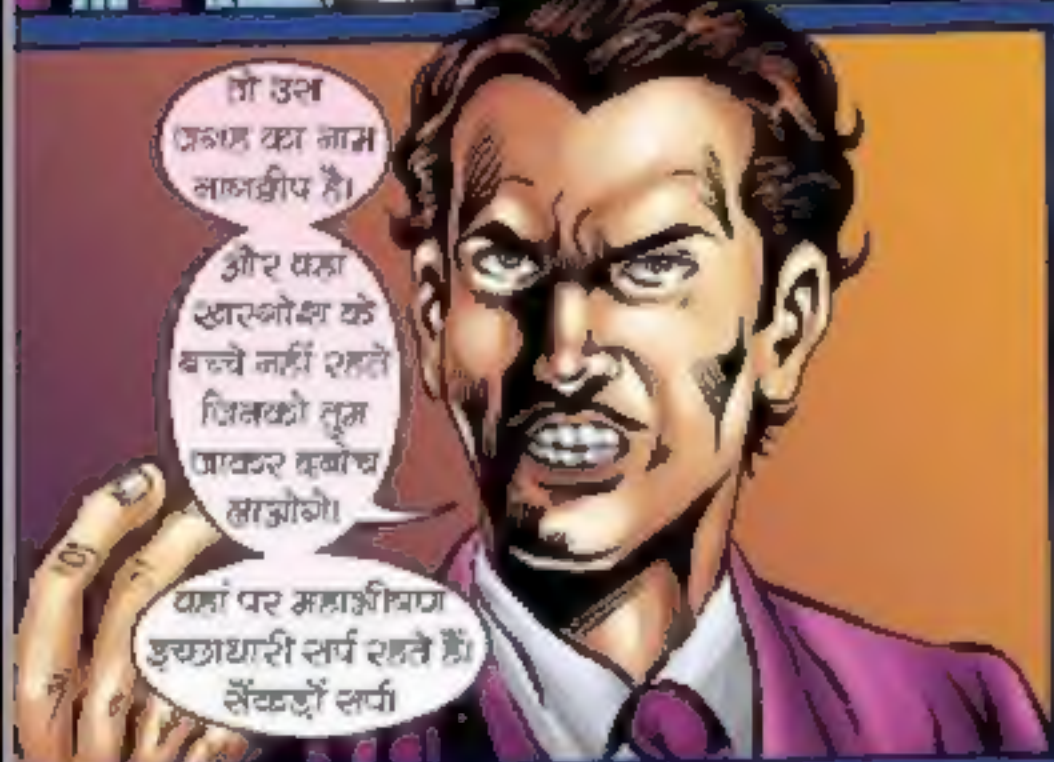
मुझे पूरा ठकील था कि दरदाल के आने पर ये अजनबी भी जरूर आपुचा और इसके साथ ये नाशिन भी आपुगी।



पता चल गया कि ये सांप कहां से आया है।

सचो अब तो मैं इस दुनिया का तो क्या ब्रह्मांड का किंग बन जाऊंगा।

अगर ऐसी कोई जगह है...



तो उस जगह का नाम नाकशीप है।

और वहां शरभोक्ष के बच्चे नहीं रहते जिनको तुम पाकर कबाब खाओगे।

वहां पर महाशक्तिप्राप्त इच्छाधारी सर्प रहते हैं। सैंकड़ों सर्प।



तुम चाहे जो भी हो, पर अगर तुम यहां तक पहुंच भी अपु तो जीवित वापस नहीं आओगे।

आओ, जाने से पहले मैं तुमको कुछ दिखाना चाहता हूँ। अगर नाकशीप में सैंकड़ों शरभोक्ष इच्छाधारी नाग हैं।...



तो मेरे पास वे हैं।

ये सैकड़ों नहीं,
हजारों नहीं, लाखों में हैं। इनमें
से कईयों को तो दुनिया विजुप्त समझती
आई है। इनमें से कईयों में इच्छाधारी
शक्ति भी है।

ये इच्छाधारी
विषधारियों को मेरा
जवाब है।

क...क...कमाल है।
पर ये उनके विष को आगे
टिक नहीं पायेंगे।

इनमें से
किसी भी जीव
पर विष का असर
नहीं होता, नाकामियां
अब जाने की छड़ी
आ गई हैं।

त...तुम निश्चय
होकर जड़ों, पार्टनर! मैं
यहां संभाल लूंगा।



मैं अपने जाने
की नहीं...



...तुम्हारे जाने
की बात कर रहा
हूं मेरे लिए अब तुम्हारी
उपस्थिति स्वतंत्र हो चुकी
है और किंग को कमांड
प्रसा करने की आदत
नहीं है।

बहुत दिनों से मैं यह
जानना चाहता था कि तीव्र
विष का कुछ आम इंसान
पर क्या असर होगा।

मुझे मुझे
ऐसी किसी बच्ची।
का आकाश था कर्मजो
इर्नागिण, इर्नागिण... मैंने
वीलॉम का दुर्लभ वलाकर
पकले स ही वा रहता है।
तेरी आत्म मुझे पर
कही चकरी।

Very Intelligent
पर ये बुद्धिमान बलाया वीलॉम
कही है नाचमाया

ये उस दुर्लभ वलाकर
नाच के वीलॉम से निकला
हुआ नजर है।

नमस्कार से वीलॉम, नमस्कार से ही मरत है।

और ऐसा ही कुछ नजर वास्तु का साथ आ जान है।

बुद्धि! इसको पर
बुद्धि अवाक्य असर होगा
है वीलॉम का।

चलो साथिया

शोषक निमित्त की लापक
होने से मुझे ने दुर्लभ वलाकर
आकाश दूआ परने दुर्लभ को
मे भेज गया है मिला नका।

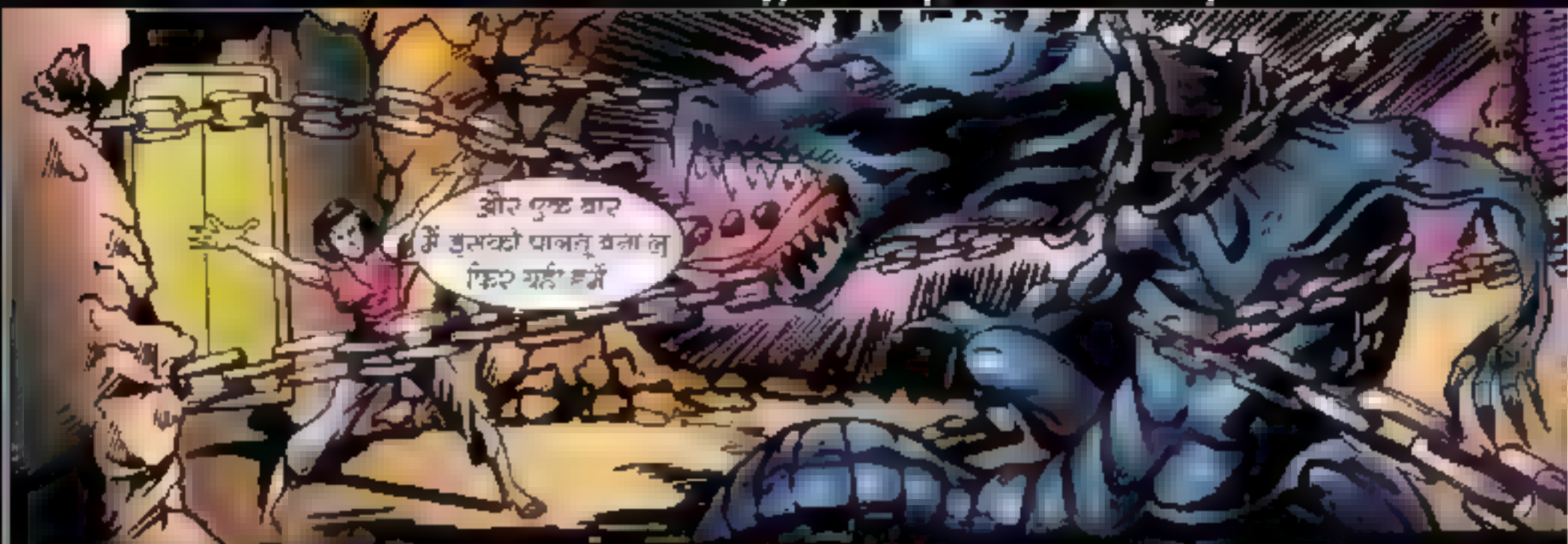
मैंने है वह
बुद्धिमान?

पना चलने
से पकले की लापक
दूआ नका।

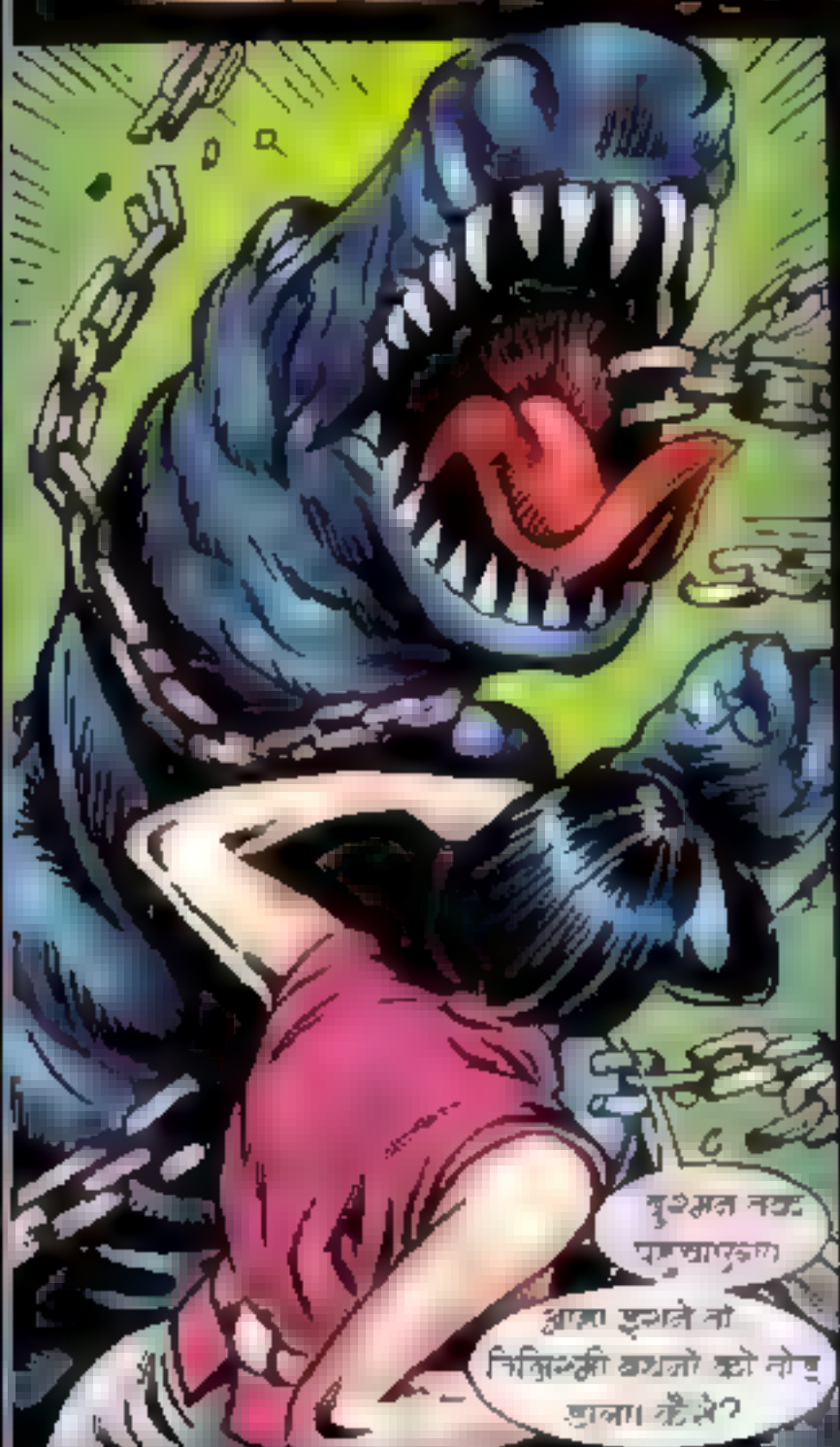
लापक दूआ नका है
इसकी बुद्धि नका है ये नमूना
है वह लापक।

"आप हमार शक्ति से सारा
अहंकार एक साथ दूर हो जायगा।"

आप ने हमार
विजय अभियान शुरू
होना है।



और कुछ दूर
में इसको पकड़ लेना ल
फिर यहाँ हों



बुझना नका
पहुँचाएगा
आज इसने तो
नितिनकी बगल को तोड़
छाया। कैसा?



मैं भूल गई
मालती के कम आगे की बात
मे लीचे हैं और जब आकाश का
हमारी बात, ये लासले नहीं होना
नितिनकी बातों का कमतर हो जाती है।



फिर भी अगर
हम पूरी बर्बाद-खाली इतिहास का
भाव कर करें तो शायद इसे
कैद कर सकें



आह! हमारे
शक्ति का बहाल आगिन
हो रही है।

अगर उन्ही ही
कोई उपाय न सूझा तो
हमारा बचन सुझाव है।
दुर्भाग्य कष्ट सोचिए।

मित्र ने एक बड़े अंतर का
बलाभास आनंद कर लिया था।

और वो अख्त बड़ स्थानर आमल उन की राह पर व

म में इनको पहचान
जया। आखिर एकलपकारशन
के क्षेत्र में अत न फल मेंले
पुलकनय के क्षेत्र में वसुन
कामाकन है।

उन्नी दौरत मेंले एक
गुफा में आदिमानवी का अमि
चित्रों में इन जीव का चित्र देखा
या। ये नो काहो लात पुलना
पिनुन जीव है।

और उस पर हर
पारो का श्री कोडु अरार
वही हो रहा

पुल अरार की व ल
मुझे पता नहीं है, पर मुझे ये
पता है कि ये इन मन्त्रिकों
में मरने वाला नहीं है।

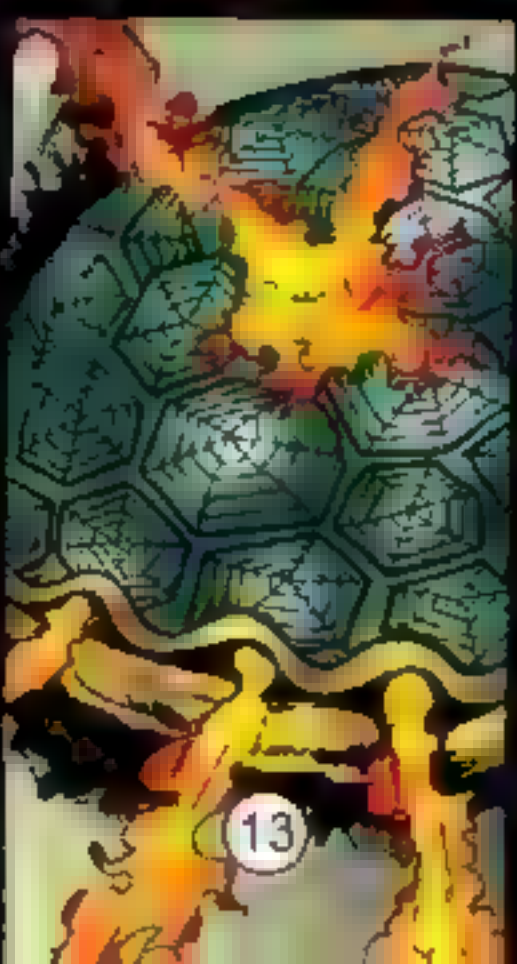
उस अमिचित्र म भी
उसकी अर्पना में कर्जो आमल करने थे,
लेकिन फिर भी यह आदिमानवी पर जारी पड़
रहा था। हर प्रलय का ई मरीजा में 'री अवरजम
आनि पुलकनयत्रम की अमृता क्षमता मारी है।
एतके घाय वुरन अर जाने हैं।

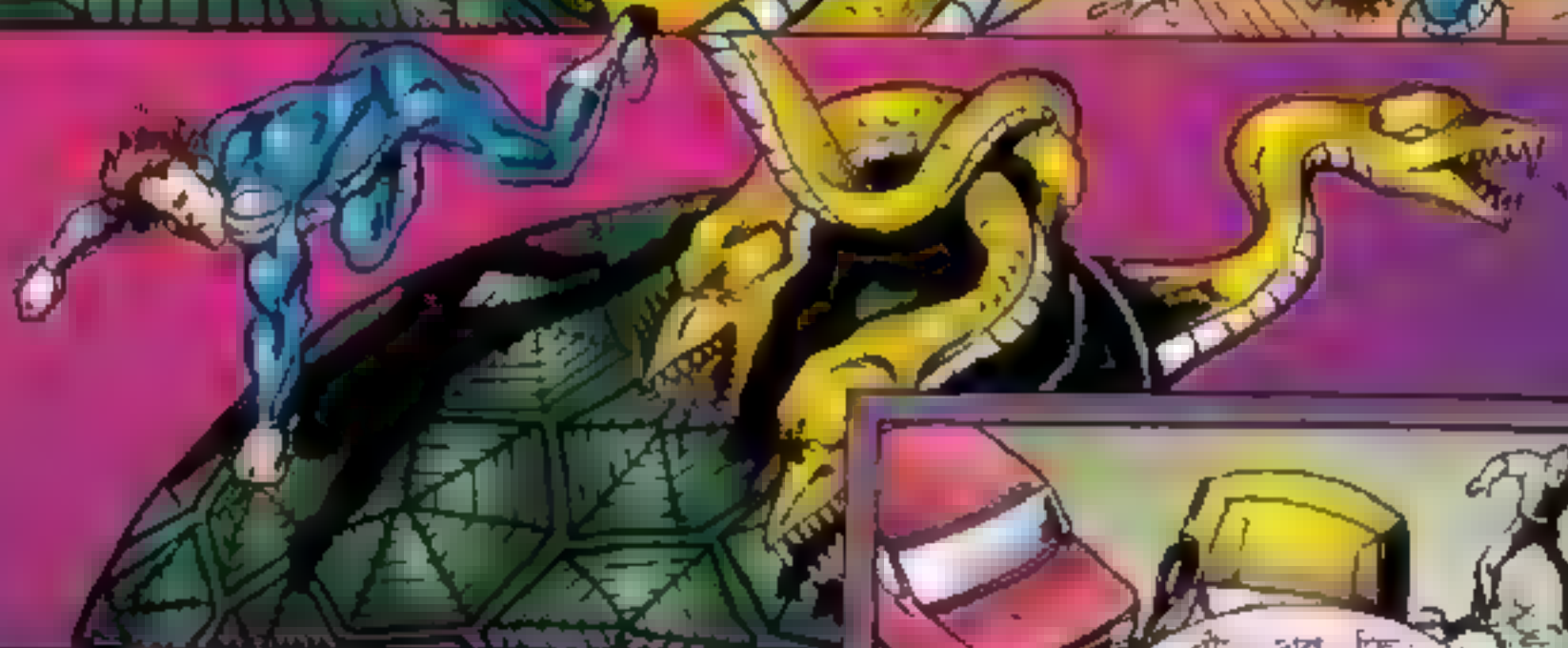
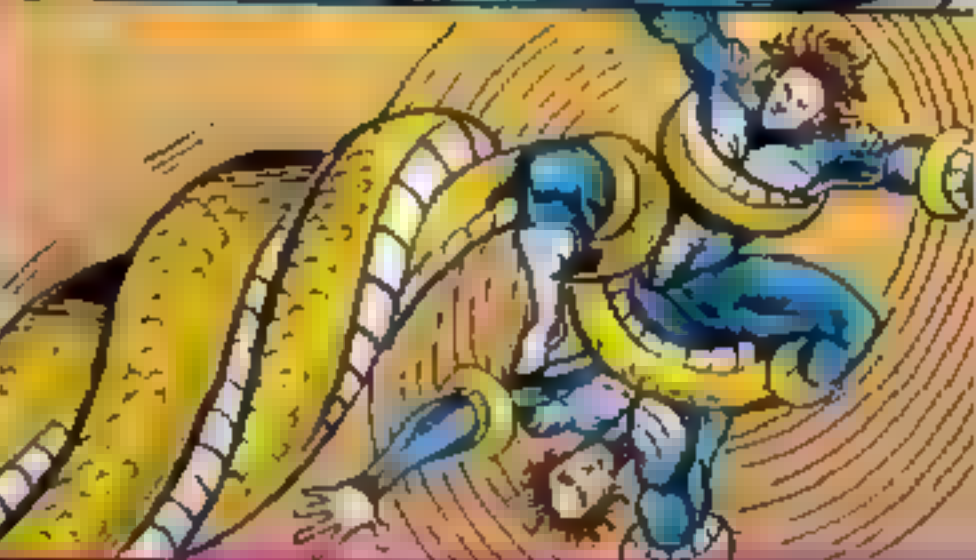
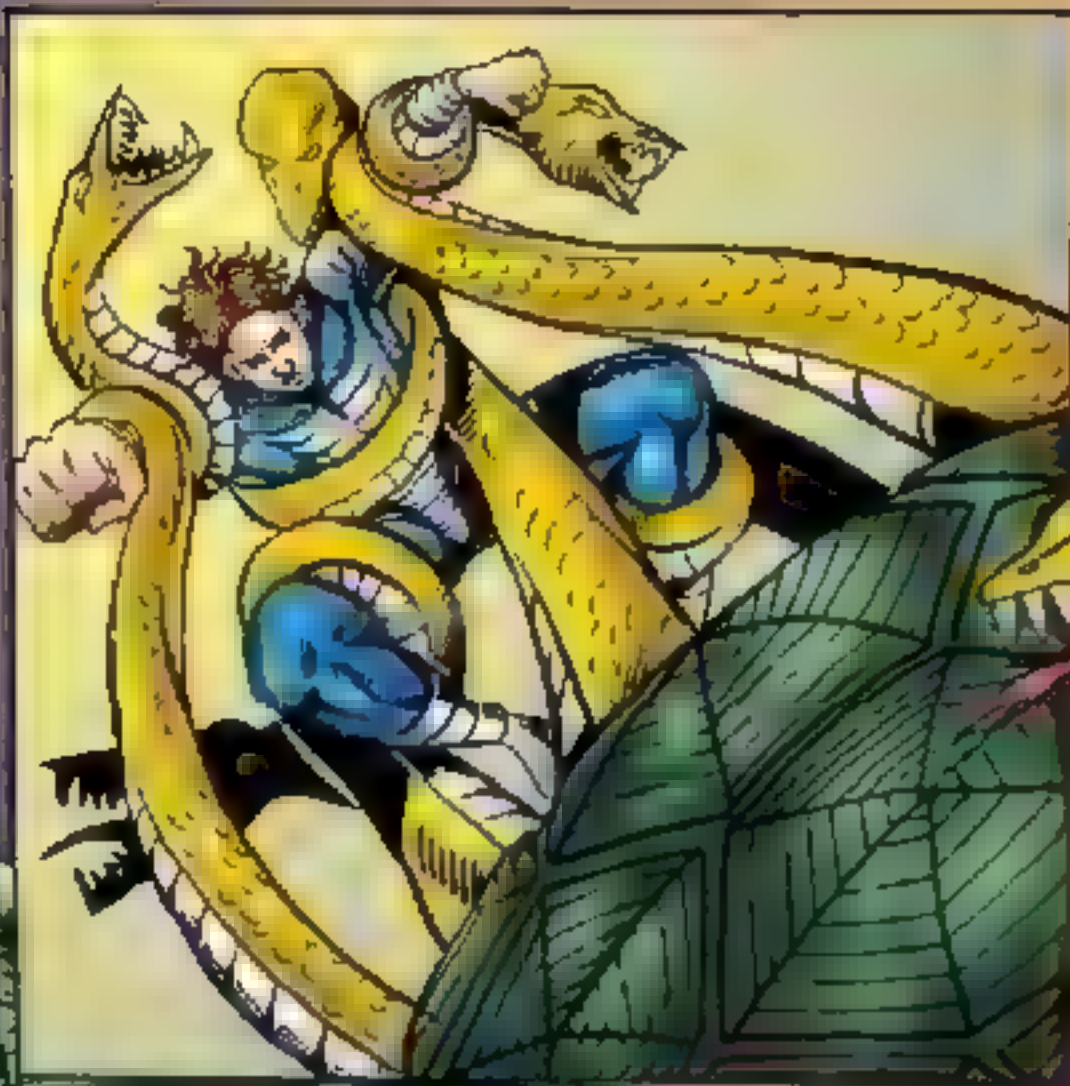
आता यम यम
हमको प्रमाल को नीचे
से जाना चाहता है।

मारे रहने नहीं।

मारे अर्पना को व
औरों वेल है। वेदुल वाला है
पर अफी भी चहनी है।

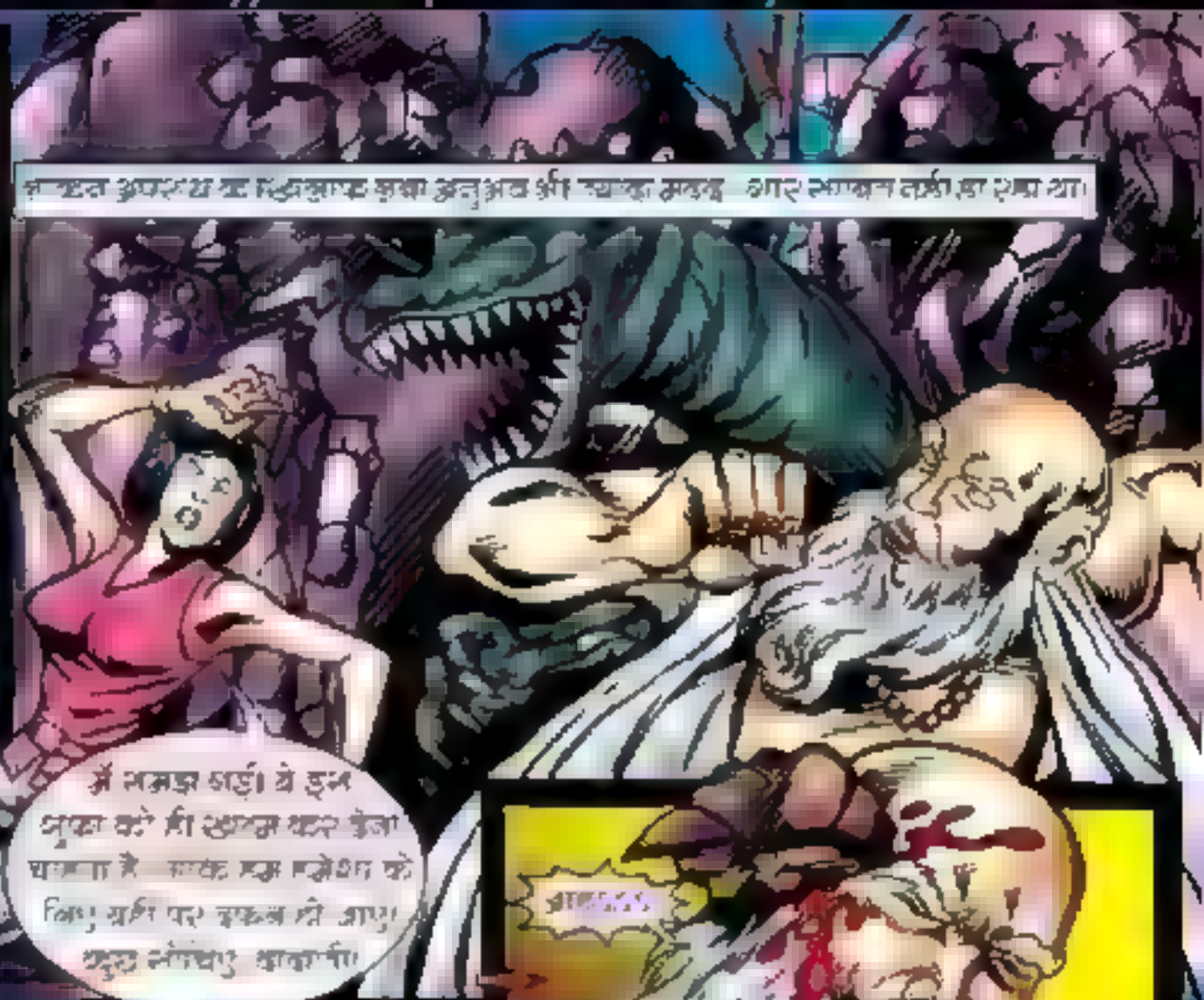
शान्ता बड़
अव ये वापस नहीं
जायगा







ये शायद आपकी कमान से फाटकर
काइटिंग स्टैटिकर का अंग था

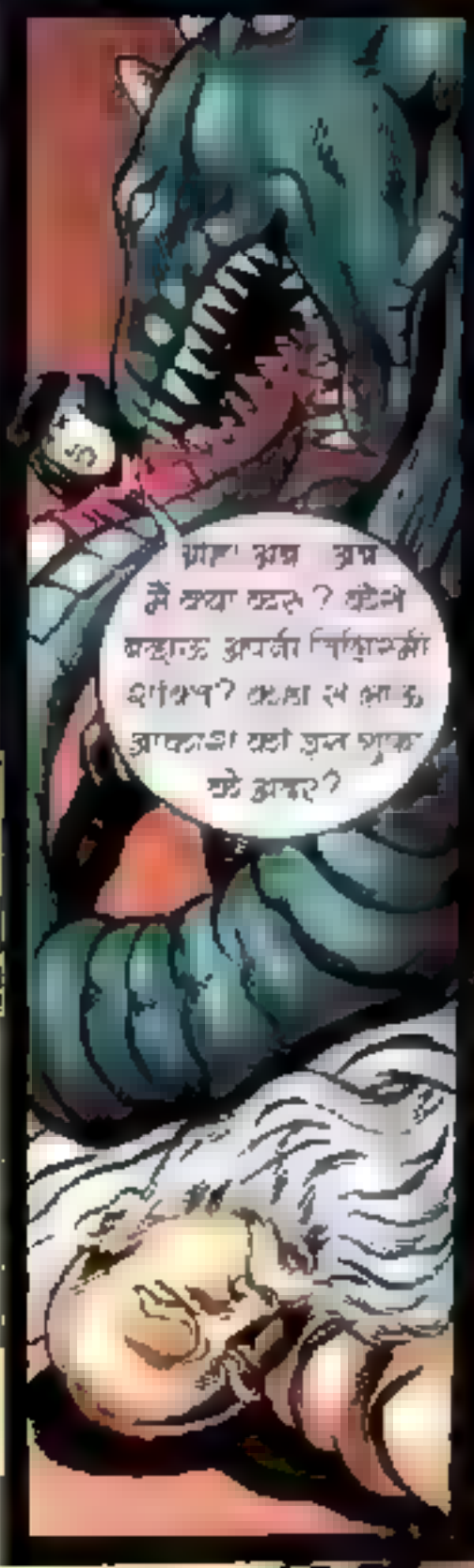


काले अंगरथ के निहासक कवा अनुभव की गवाह मजदूर शार लायन लकी का रमा था।

मैं नमड़ा खड़ा ये इन
धुका को ही खाना कर केला
घाबता है साक मर मजेश को
किंग यही पर इकल हो जायु
कुल लोचयु काकापी



आह...



भाह अम्र अम्र
मैं क्या करूँ? कौन
महान्त आपकी चिकित्सा
दायित्व? कला से आऊ
आकाश यही इन धुका
को अकर?



यही है आ
मजनी ह आकाश
यही सब था



अमर नुडी
ग्रंछे मजने की इनकी
की उरपी है

चो है नरा मदद
कलना ह मजेशा के किंग
मद से आरुता

यम कलन
हो गया अब मैं
मृते



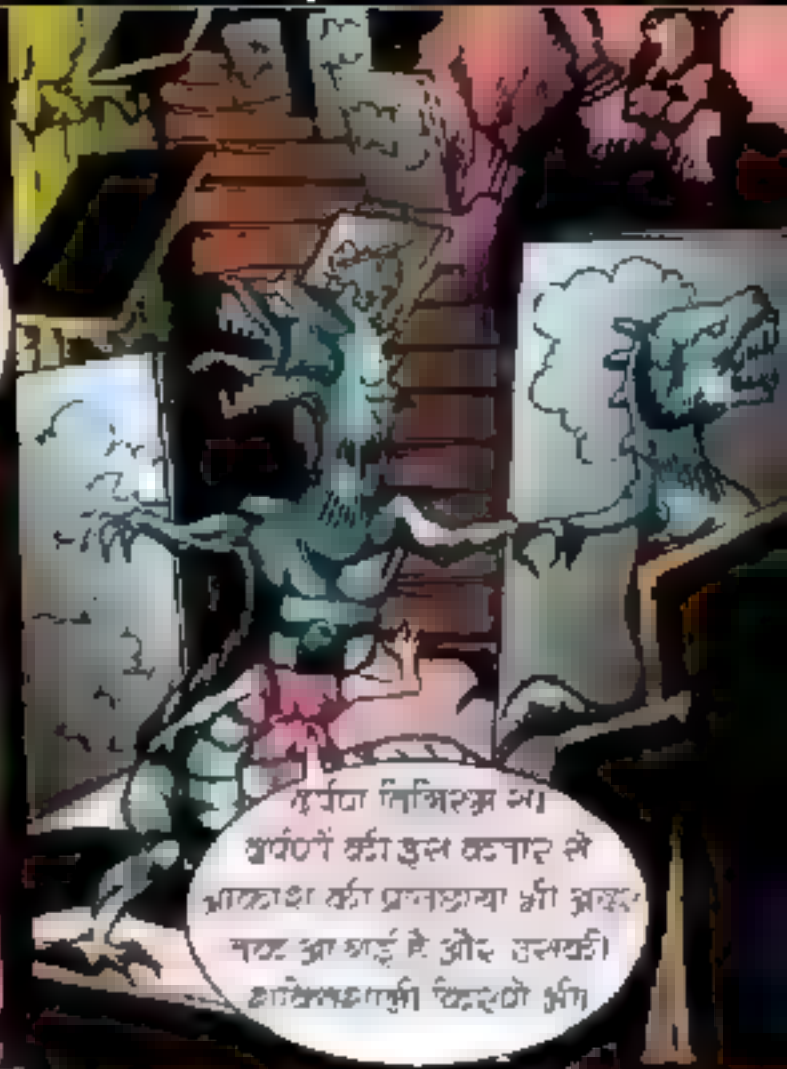
ये नुकीली जानकी है और मैं
भी कि अंत पर मेरा निश्चिंत बचने
होला कमजोर है। क्योंकि अकस्मात तब
यहां पर आ ही लगी सकलता न मेरा
कहल लगी किनाह भवनी।

पर न ये
नहीं जानता

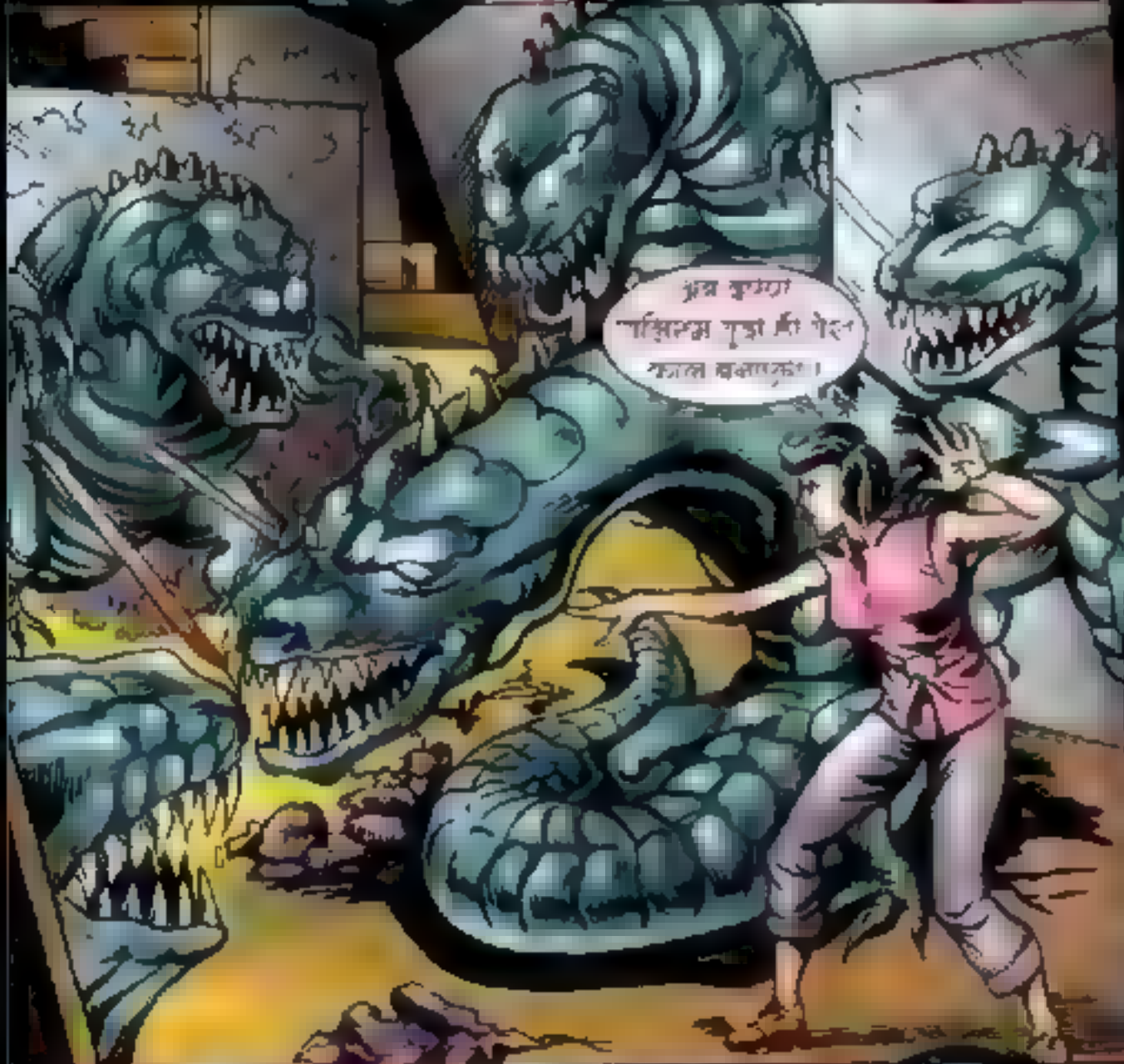


ये आकाश
यहां पर आ चुका
है और मेरा निश्चिंत
पूर्ण इतिहास
कर चुका है।

असह्य? न
लगी से सकलता से नल
कैसे। कदा?



क्योंकि निश्चिंत आ
अपनों की इस कदर से
आकाश की प्रगल्भता की अकल
नक आ गई है और उसकी
आविष्कारकी किस्मों की।



अब कदा
निश्चिंत नुकीली मेरा
काला बलाकल।



कदा की कल
यह मकरा कदा यल चुका
है अब आग की यह पता कर
सकते हैं कि ये कल
से आया है।

कल का निश्चिंत को घानक इतिहास
मलने का आधार बेमुनियार लगी था।

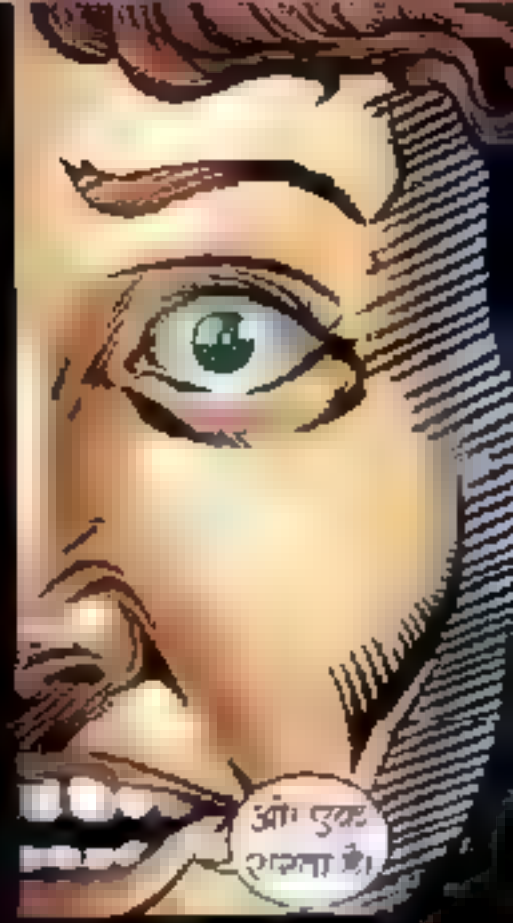
परंतु आगलगी को हलका समझना
उसे भारी पड़ सकता है।

आइसबर्ग में पल
समय था। वजन है। उनका
भारीर था थोड़ा भारी। कमजोर
नी प्रतिक्रिया थी। वे नहीं
करना ही नहीं।

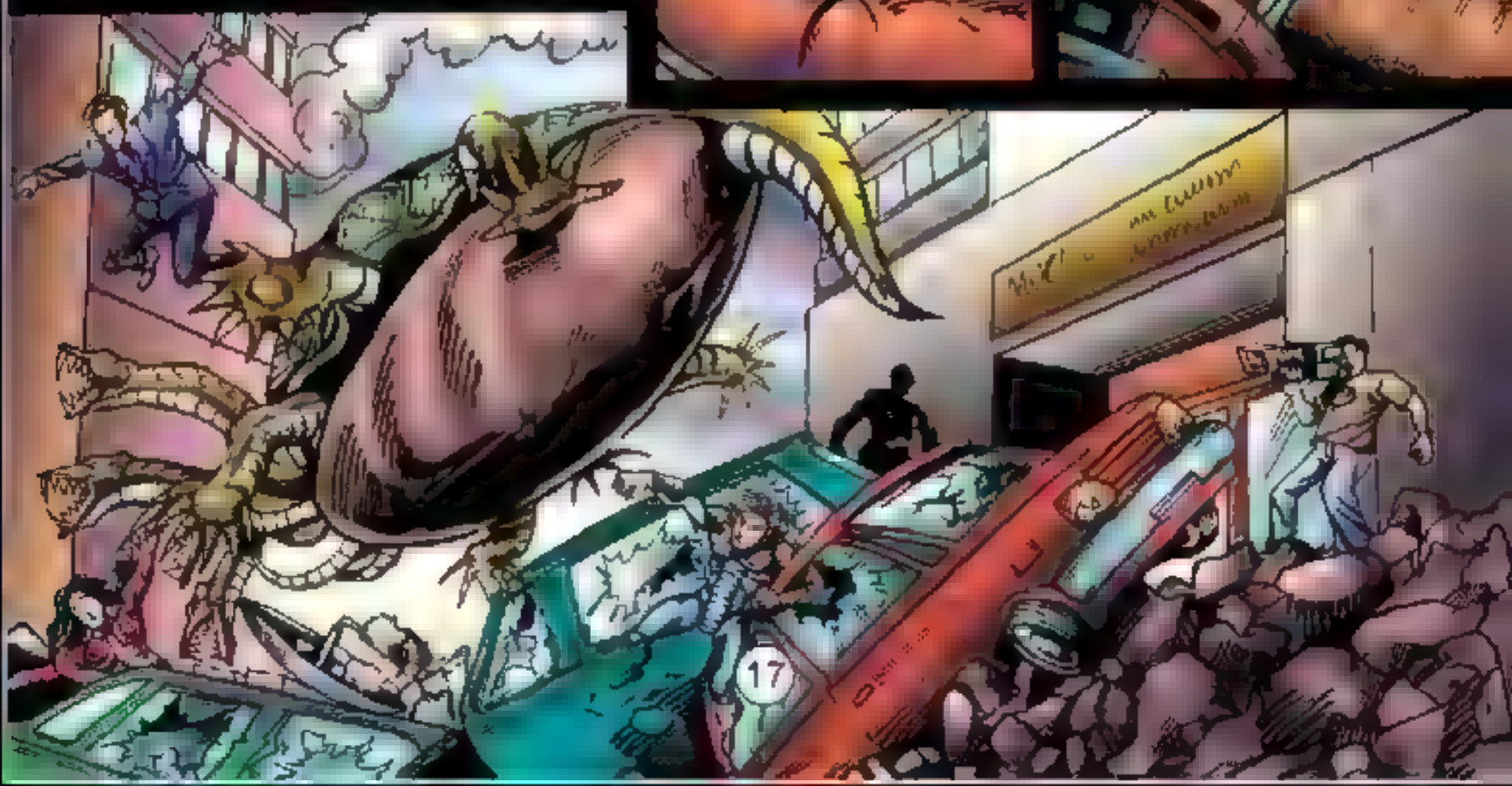
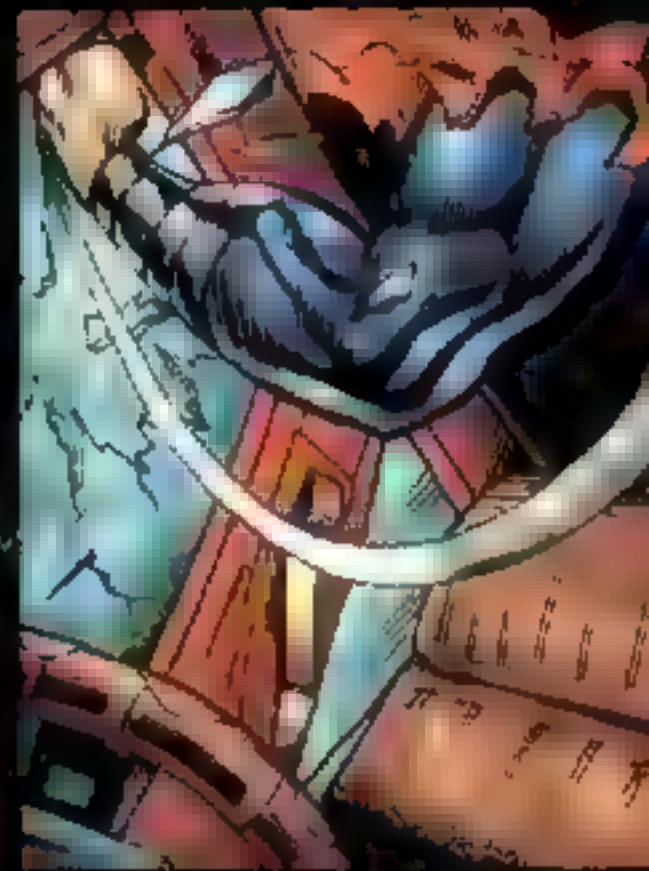
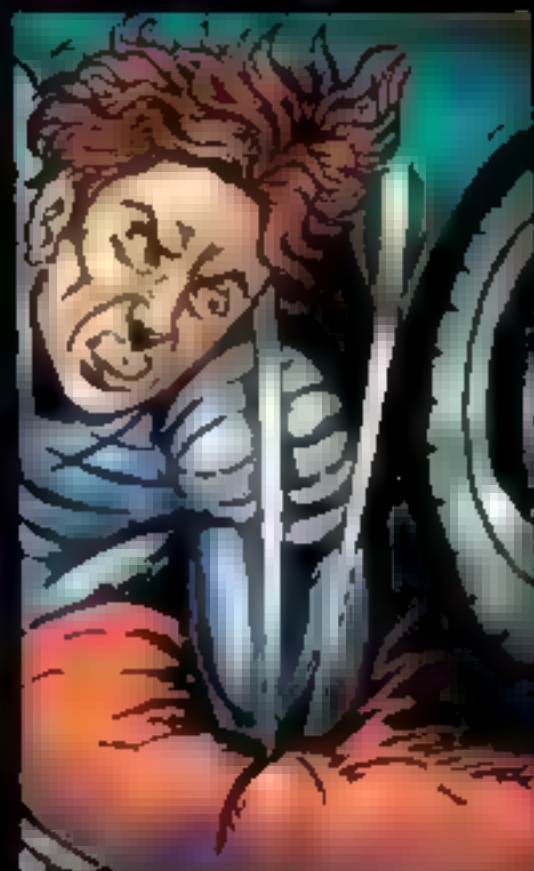
पर प्राणी का लक्ष्य
ना मुक्त मिलना होना है। उनका
पेट का निशाना

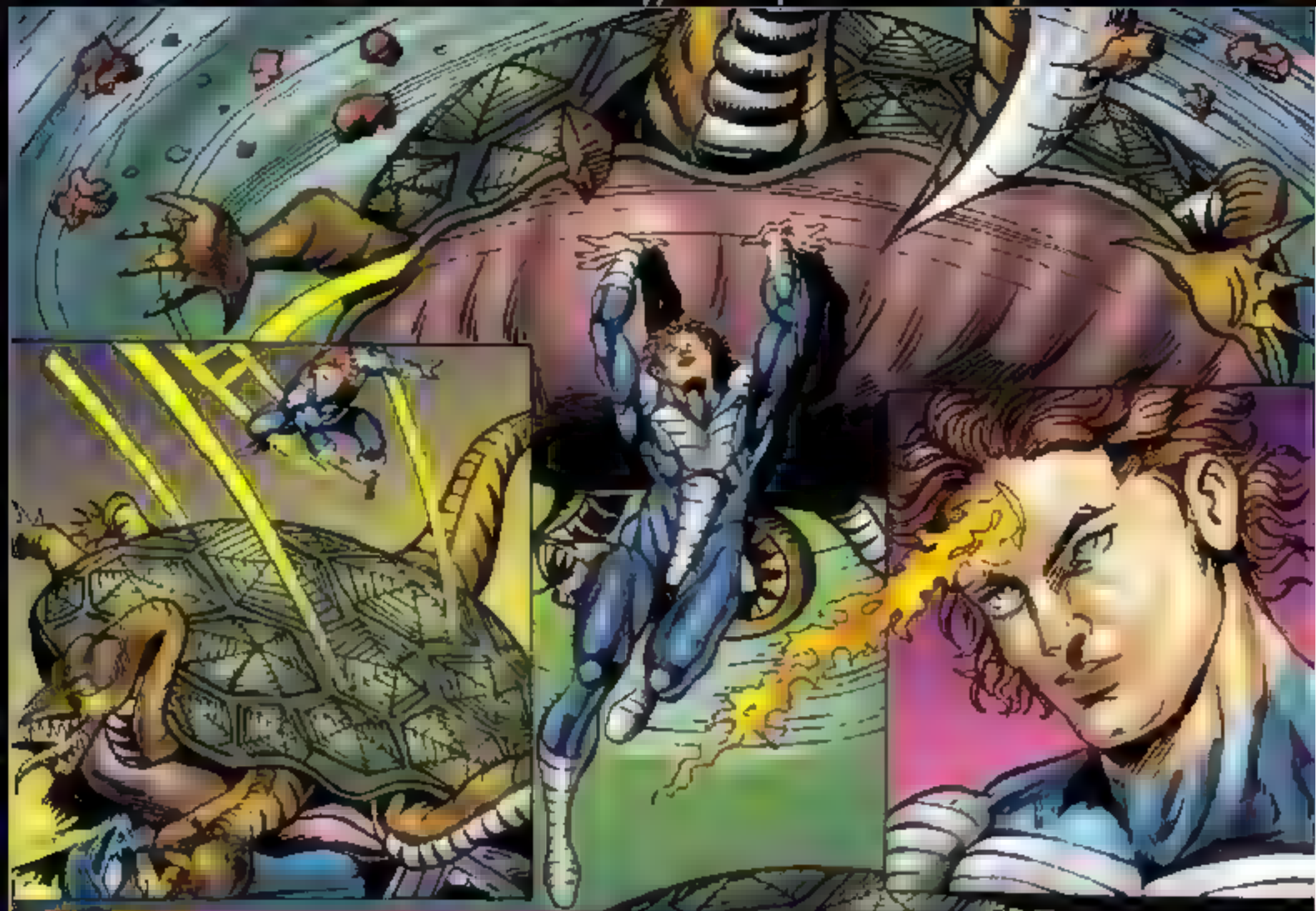


पर ये ना मुझ
झुंते पेट तक पहुँचते ही
नहीं दे रहा है।



ओ! एक
शक्ति है।





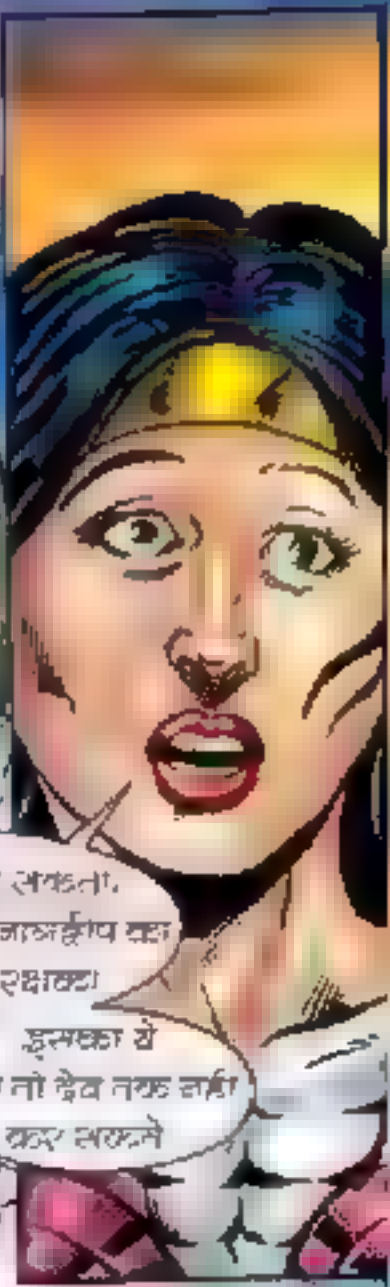
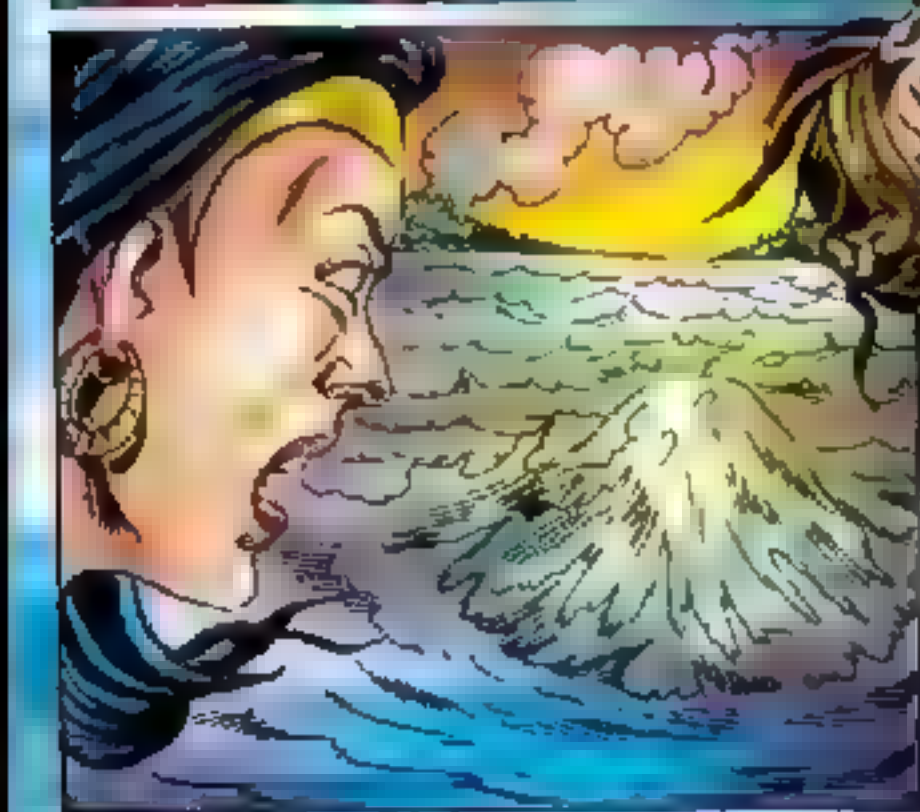


और वह भी
स्पष्ट है कि हमारा दुश्मन
एक ही है,

और वो है ईनाम के
साथिका मेरे पास येना
पैपर और फोटोग्राफ हैं और
मुझे तुम्हारा साथ मिले वो
हम तकते इलाका से
लेके लकल है।



घर को लीक है, पर
मुझे अभी भी आसारे का
आभास हो रहा है?



व . ये नहीं हो सकती,
ये तो विषेसर है। जाहरीय का
प्रमुख हार रक्षाक।

इसका ये
माल तो देव तक नहीं
कर सकते

My
god its true
इच्छाधारण शपथ
सच में होने हैं।
wow!

पर तुम डलका
कैसे जानती हो? कहीं
तुम भी

विश्वेश्वर! क्या
तुमको? मोक्ष से
आओ, विश्वेश्वर! लाने
को मंडो।

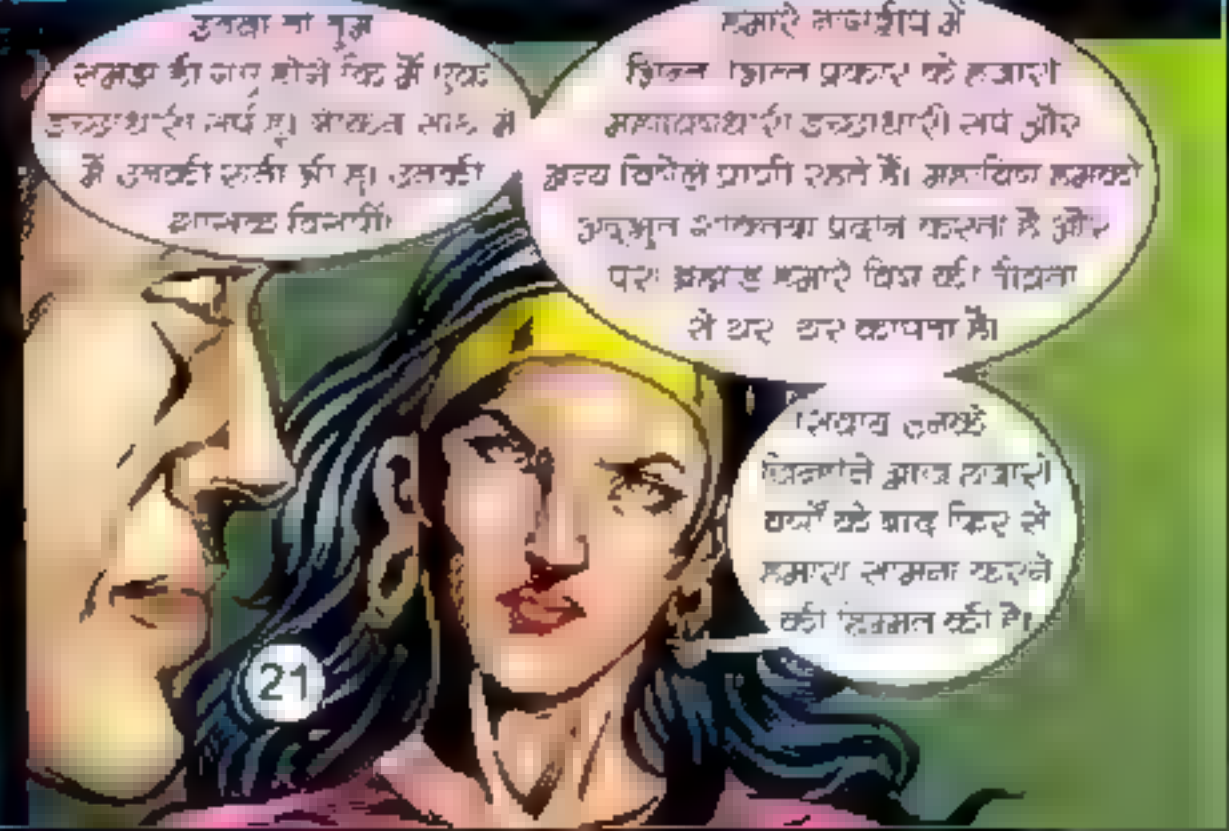
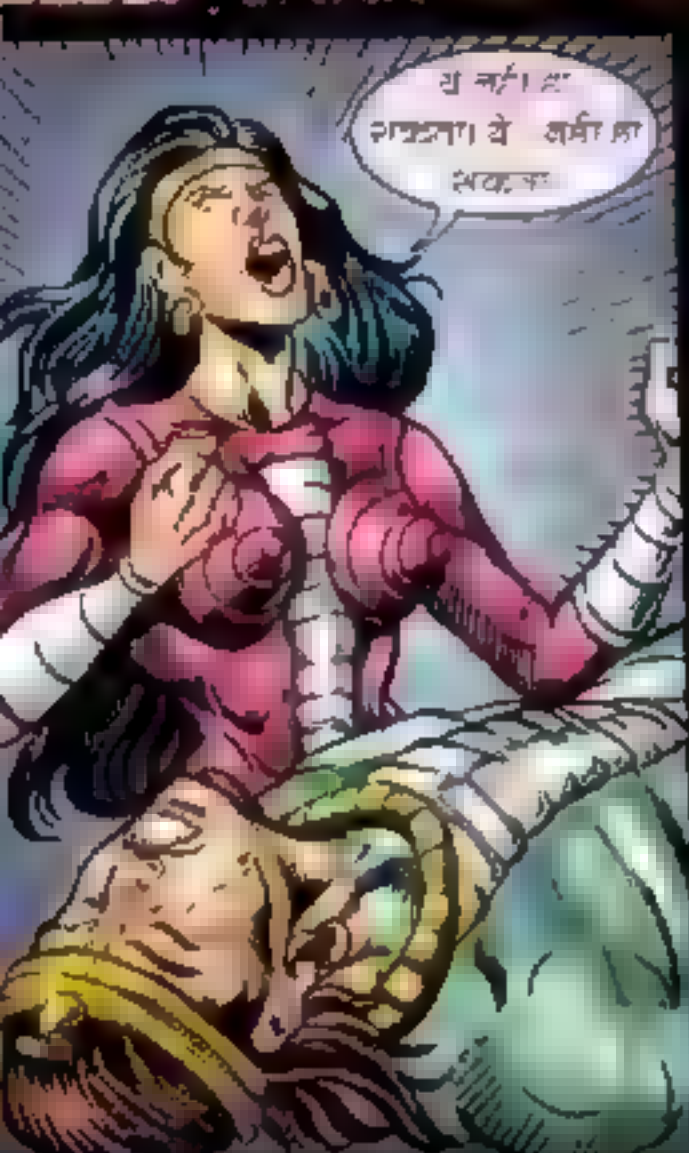
आउSSSSSS
ले प्रसन्न हो

उसने अचानक समझा
कर दिया। समझो इसका
आकाश की जमीन। समझा
काम ही है। समझो लक्ष्य के
लिए गला जमीन है।

यह सब कहते हैं
आओ, यहाँ से, जहाँ से
और यहाँ से।

अचानक धुन
किया हमने। पर इस
जैकब का ही है। समझ के दौरान
उसने समझी। अचानक प्रभु प्रभु
हो। हम उससे समझते
दिखाती हैं।

उसने समझा
जानवले की तरह गीत और
पेड़ पर जानवरीय धारियों के
प्रतीक प्रभाव से है।





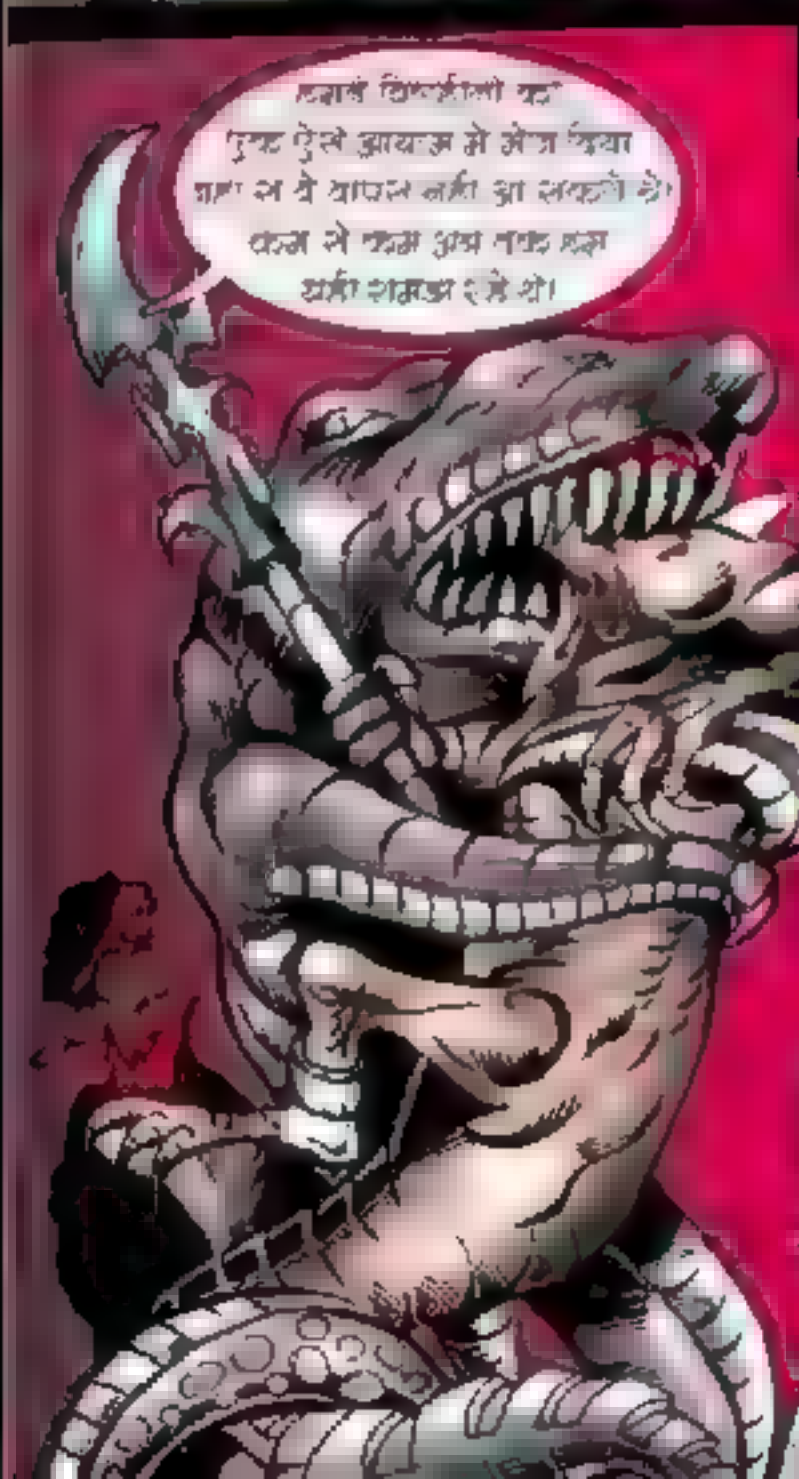
शोक है क्या?

इन मूर्ति के हज़ार
तैलें वे कुछ ख़ास रूप और
हज़ारों लीलाएँ जो विचित्र हैं और
मिलकर विचारों का दर्शन कराती हैं।
एक ख़ास समयावधि के बाद
उनमें भी इच्छाशक्ति शक्ति का
प्राप्ति हो जाती है।



इन लीलाओं में
सबसे ख़ास बातें प्रतीत होती हैं,
जिसे स्नेह की, क्योंकि उन पर
विशेषी की प्रकृति के साथ का
क़दर ली जाता था।

असह्य रूप और हृदय
पर उभरने अन्य लीलाओं से
संयोजन कर ली जाती शक्ति की
शुद्ध रूप की और अपना एक अलग
लक्षण बनाने लगे। उन लीला
अंशका बाद में लीला।



हज़ारों विचित्रताओं का
एक ऐसा आकाश में भेज दिया
गया कि वे वापस लीला आ लक़्खें थे।
किस से किस अलग तरह का
यही संसार रहे थे।



यह लीला वे अन्य
प्रजातियों के लिए ख़ास
बनने अलग, अलग का लक्षण थी। वे
इन संसार पर पूरी तरह से अपना
क़दम धरने थे यही हज़ारों और
उनके बीच में अलग-अलग का
कारण बना।

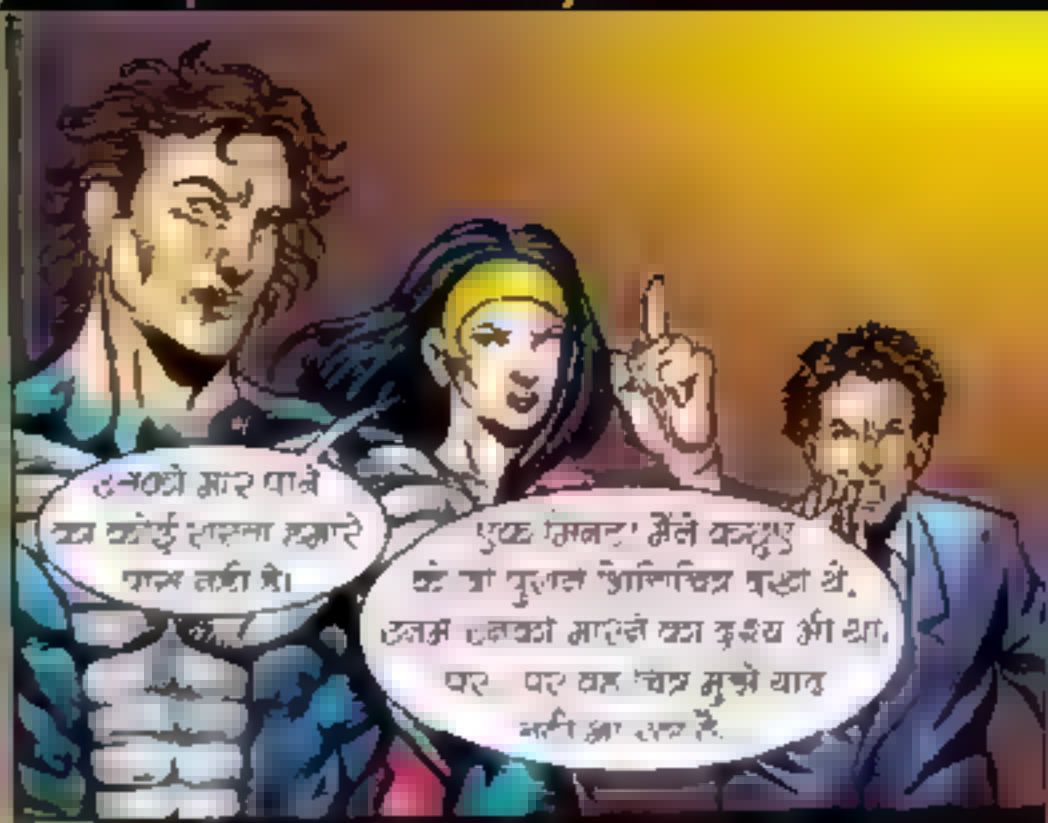
यह कुछ पूरी धरती
के कई भागों में कई लोगों तक
पहुँच जाता था। इस लीला शक्ति से
अपनी तरह इच्छाशक्ति शक्ति के
कारण बन लक़्खें।



यही यही प्रजातियों के
अलग-अलग इच्छाशक्ति शक्ति है
what what rubbish

यह भी
नो हो प्रकृति
है यह प्रजातियों के
आंतरिक मात्र ही
हो और वे किन्हीं
स्नेह के इशारों
पर चल रहे
हैं।

पर इन सबका
लाभार्थ पर हमने से क्या
संयोज है? अलग-अलग आ
से क्या संयोज है?



PRESS CONFERENCE

DR. K. KARUNAKARAN
(FOUNDER/DIRECTOR: SNAKE)

आप हीनामि कहने हैं।
यह मर्ल रूपाव है और
उसको चमकने वाला
रिपुवन्दर ही।

हीनामि आप यह
विषय से बचा है और अर्था
यह प्रायोगिक स्तर पर ही है।
अर्था इसका व्यवहार करने में
हमारे लिए धारणा ही
समस्या है।

अर्था यह
कमिती चुनना बड़ा है।
यह तो आवश्यक
काम है।

इस वक्त
मुझे निरर्थक हीनामि
के पुनःप्रयोग की चिन्ता है
अगर सफलता कीविषय
होना तो ऐसा करना
ही होगा।

हम वृद्धा
की भरपूर ले
सम्मान के पर हीनामि
के प्रयोग पर धारणा अर्था
ही है और इस कार्यक्रम को
रखने वाले प्रत्येक को
पकड़ने की कार्यवाही
विशेषज्ञ पर शीत
ही भुकी है।

क्योंकि
हीनामि के रूप
में प्रयोग।

प्रत्येक प्रकार
से नहीं करना है। हीनामि
मार्गों के लिए धारणा है,
पर विनियम धारणा है।

हैं इनको संपूर्ण ही
नेवार धा मासिक नाम को
करीब। नम्र बोधों से अपनी
मोह शून्य बुझा है।

हम इसी का इच्छा है।
नामों को धारणा के लिए प्रयोग
किया गया है।

इसका अन्त
आज आप अपनी
भारती से देखेंगे, यह ऐसा
विनाश होना ऐसा मासिक
इतिहास में आज तक
कहीं नहीं हुआ
होगा।

पर आप
नो सारी बानें
साफ ही चुकी हैं।
अब यह प्रयोगकारी पकड़
आपको और रोनामिगत
वापस में पयस
मन प्रकृति।

यह इनका
आत्मन नहीं होगा और
यह क्या है?

ये ये प्रत्येक हीनामि
मिला हुआ है। अगर संपूर्ण
हीनामि इतना शक्तिशाली है तो
इस मिला हुआ ही। प्रत्येक मासिक
वैले यह प्रयोग को ही नम्रम
मैकल बना वैली।

देखा कि ये 15 मिनट पूरा हुआ था। दुनिया पर हम देखाने वाली थी

और फिर विजय वाली थी

ये 'मल'डल' मिला
किसी नेनायकी के मल'न'न'न'
नक के से पहुँच गई?

ये मल'न'न'न' के
नक के से पहुँच गई?

नक के से पहुँच गई?
कौन कर सकता है?

मल'न'न'न' मिला गया

मल'न'न'न' के मल'न'न'न' के मल'न'न'न' मिला था

मल'न'न'न' के मल'न'न'न'
मल'न'न'न' के मल'न'न'न'
मल'न'न'न' के मल'न'न'न'
मल'न'न'न' के मल'न'न'न'

और फिर मल'न'न'न'
मल'न'न'न' के मल'न'न'न'
मल'न'न'न' के मल'न'न'न'

मल'न'न'न' के मल'न'न'न'
मल'न'न'न' के मल'न'न'न'
मल'न'न'न' के मल'न'न'न'

मल'न'न'न' के मल'न'न'न'
मल'न'न'न' के मल'न'न'न'
मल'न'न'न' के मल'न'न'न'

मल'न'न'न' के मल'न'न'न'
मल'न'न'न' के मल'न'न'न'
मल'न'न'न' के मल'न'न'न'

मल'न'न'न' के मल'न'न'न'
मल'न'न'न' के मल'न'न'न'

मल'न'न'न' के मल'न'न'न'
मल'न'न'न' के मल'न'न'न'

मल'न'न'न' के मल'न'न'न'
मल'न'न'न' के मल'न'न'न'

मल'न'न'न' के मल'न'न'न'
मल'न'न'न' के मल'न'न'न'



"य उस मिनाइल से टकराते जा रहा है उसको
चिन्ता में कड़ों परमाणु बमों की शक्ति है। जो पहाड़ों
को चूर कर दे और सड़कर कठो ब्रह्मण बना दे।"

"इसका क्या अर्थ है? मुझे अपनी जान
खंडर करने की बातें की रक्ता की है।
मानव जति मुझसे वे क्षमताएं"

"कड़ों जमी अंधेरा?"



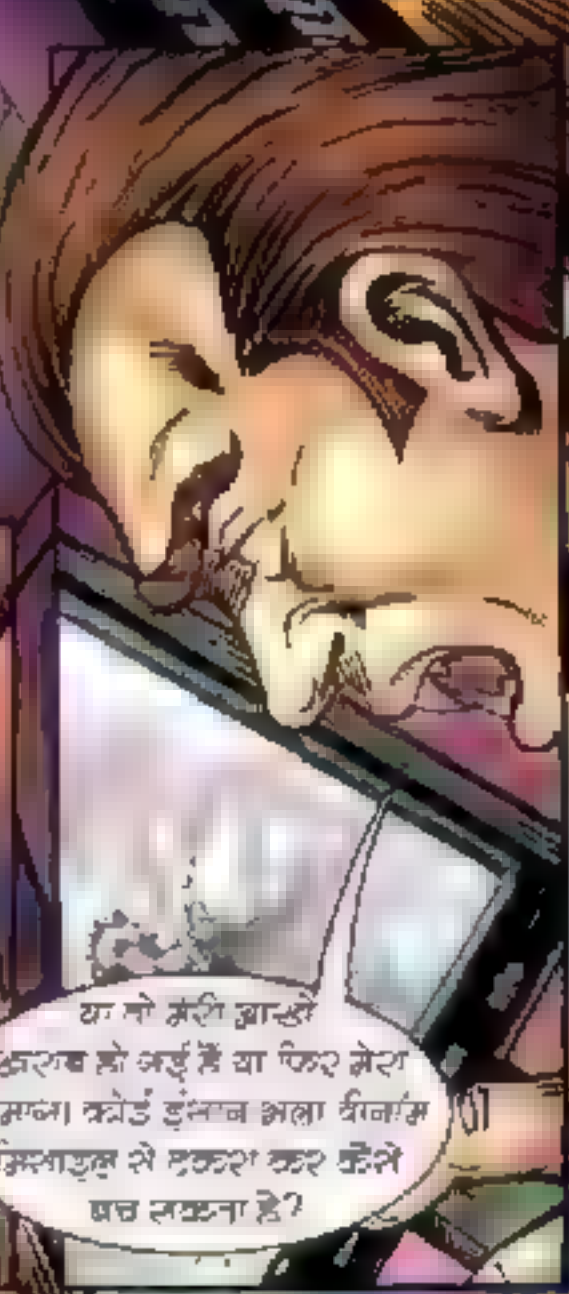
अनजान अंधेरा। य
जमी भी सड़कर। उस विलखने
से आका कड़ों के से क्या
सकता है?

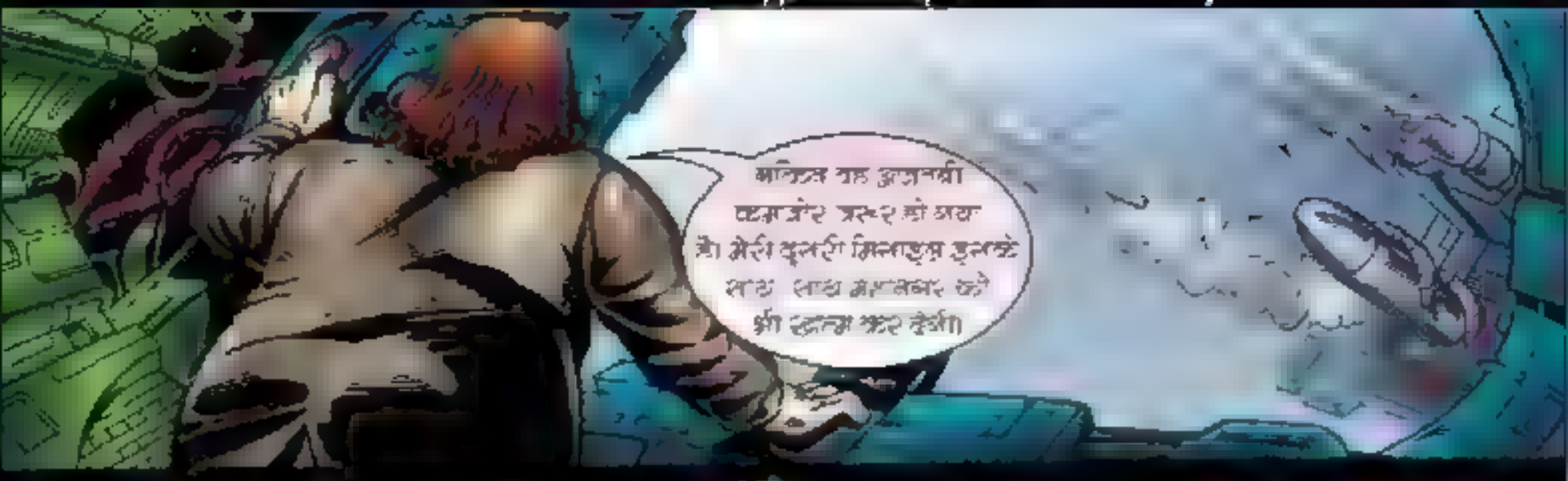
संसार अंधेरा
नहीं जमी है।



इन घातक
रक्त के बमों को चूर
बनाता है। आइए।

या तो मेरी आंखों
खराब हो गई हैं या फिर मेरा
दिमाग। कड़ों इंसान बना धनार्थ
मिनाइल से टकरा कर कैसे
बच सकता है?





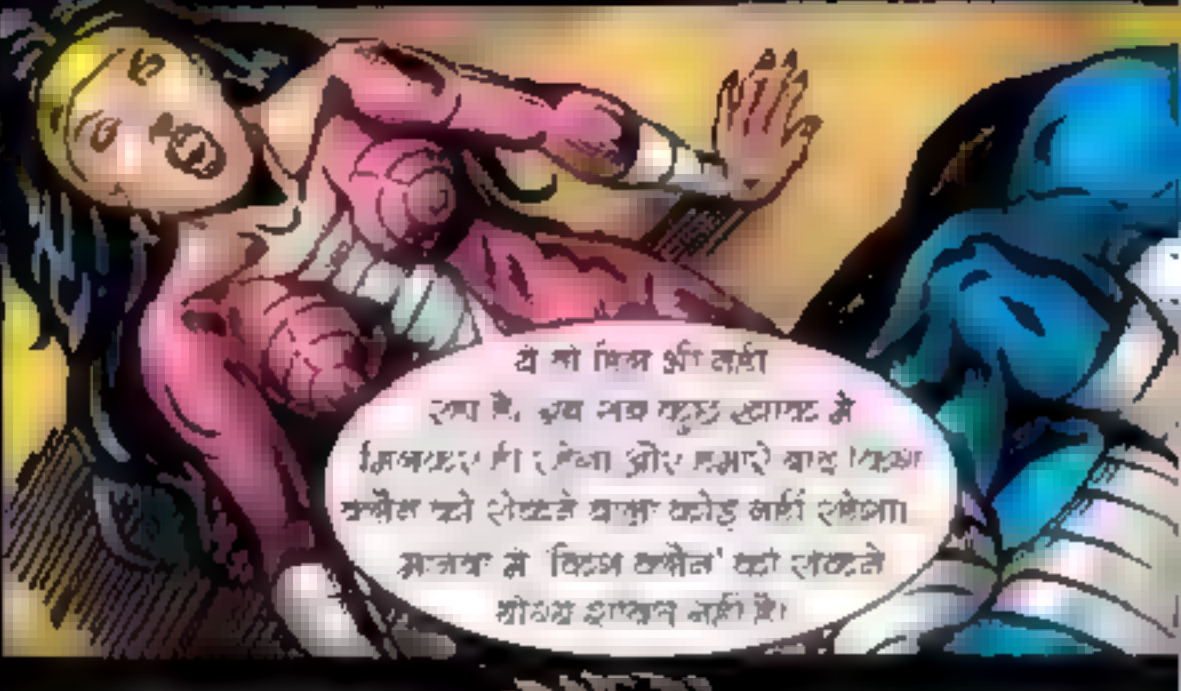
मलिनस यह अज्ञानी
कमजोर प्रसन्न हो गया
है। मेरी दुल्हन मिलाइए मुझे
साथ साथ महलवार को
भी खाना कर देना।



डिमांड्स पूरा कर रहा।

आपका पुत्र और
मिलाइए और ये पहले वाली
से ज्यादा खतरनाक
बन रहा है।

उन्ही, अज्ञानी, उन्ही,
हमारे ब्रह्मांड इस विनाश
का कोई दाम नहीं सकता
उन्ही, अज्ञानी।



ये तो किन भी नहीं
रहा है, अब नय कुछ खाना मे
मिलकर ही रहेगा और हमारे बाद किसी
कभीले को देखते ब्रह्मा कोड़ नहीं रहेगा।
अज्ञान में किन कभीले को देखते
शोध शोध नहीं है।



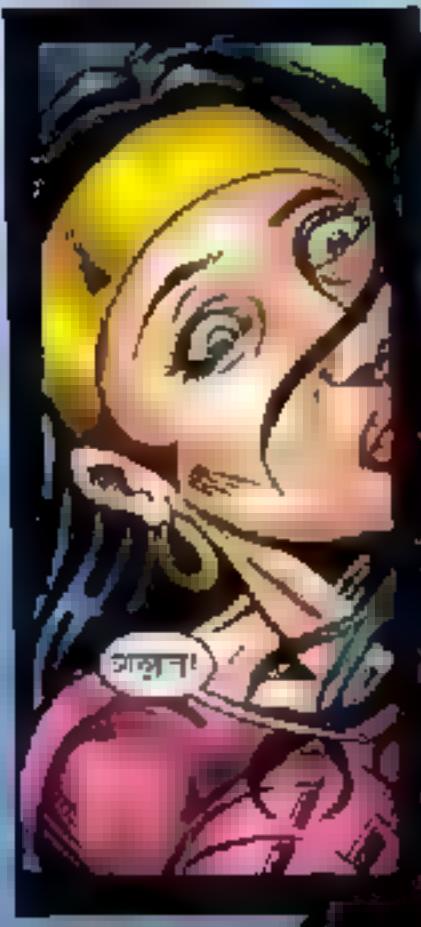
अब य मिलाइए समाप्त
को अब नय दुर्गा नाम सुभाशुनेय
में सुभाशुनेय।

आपकी पुत्र
या कोड़े?

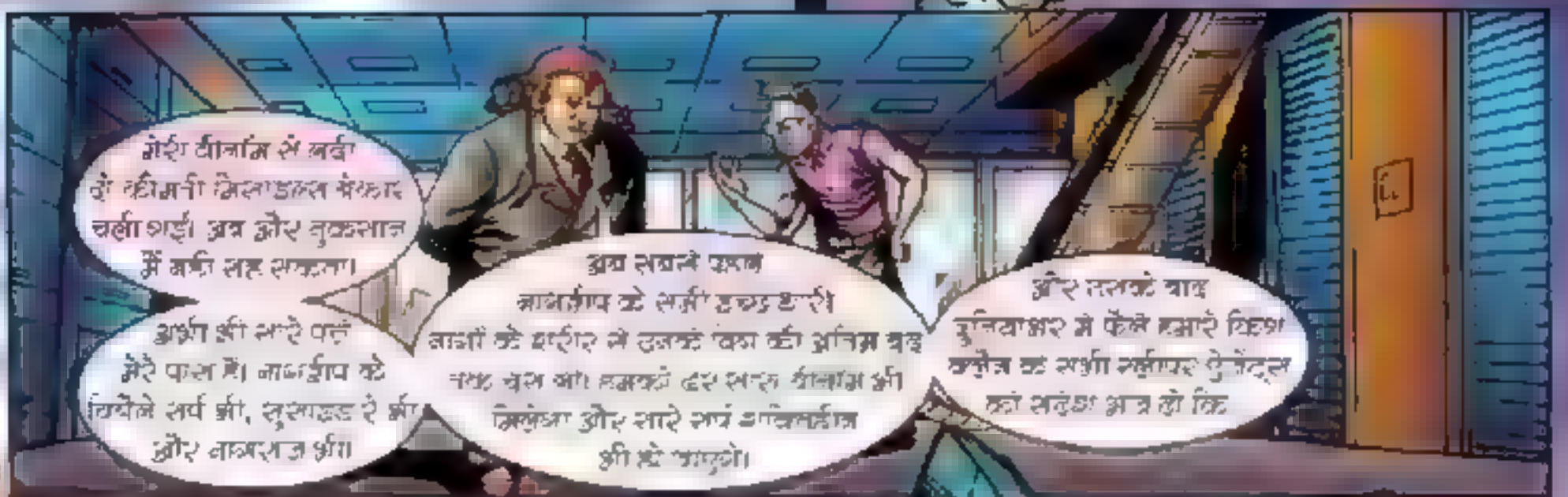
हमारे कमल दुश्मन
ले मुझे पर भी हमला किया था,
पर मैंने उसे नहीं बना दिया और
बादली ने हमसे नारे लाने
उठाया किता।

दुश्मन में
भी वह शक्ति है
विलयी।

अ ना
मलिनस मुझे घुमेर
है वाली।



अज्ञान!



मेरी दीर्घात्म से बर्बा
हो करीम की मिला डकल सेकल
चली गई। अब और नुकसान
में नहीं सह सकता।

अभी भी सारे पल
मेरे पास हैं। नाबर्बाप के
विशेष से सर्व भी, सुसाइड से भी
और नाबर्बाप भी।

अब सबसे पहले
नाबर्बाप के सभी डकल डकली
बाजों के धारों से निकलें वरना की अविश्व ब्रह्म
नष्ट चल जा। हमको हर सार दीर्घात्म की
मिलेगा और सारे सार अविश्वर्बाप
भी हो पाएंगे।

और तलके बाद
दुनिया भर में फैले हमारे विश्व
कमरे के सभी मरीजों से नैटल
को सहेज भत्र हो कि

"मरीजों के जाने का प्रयत्न हुआ है।"

"अब या तो मरीजों को बचाव के लिए कोशिश करनी है या नहीं।"



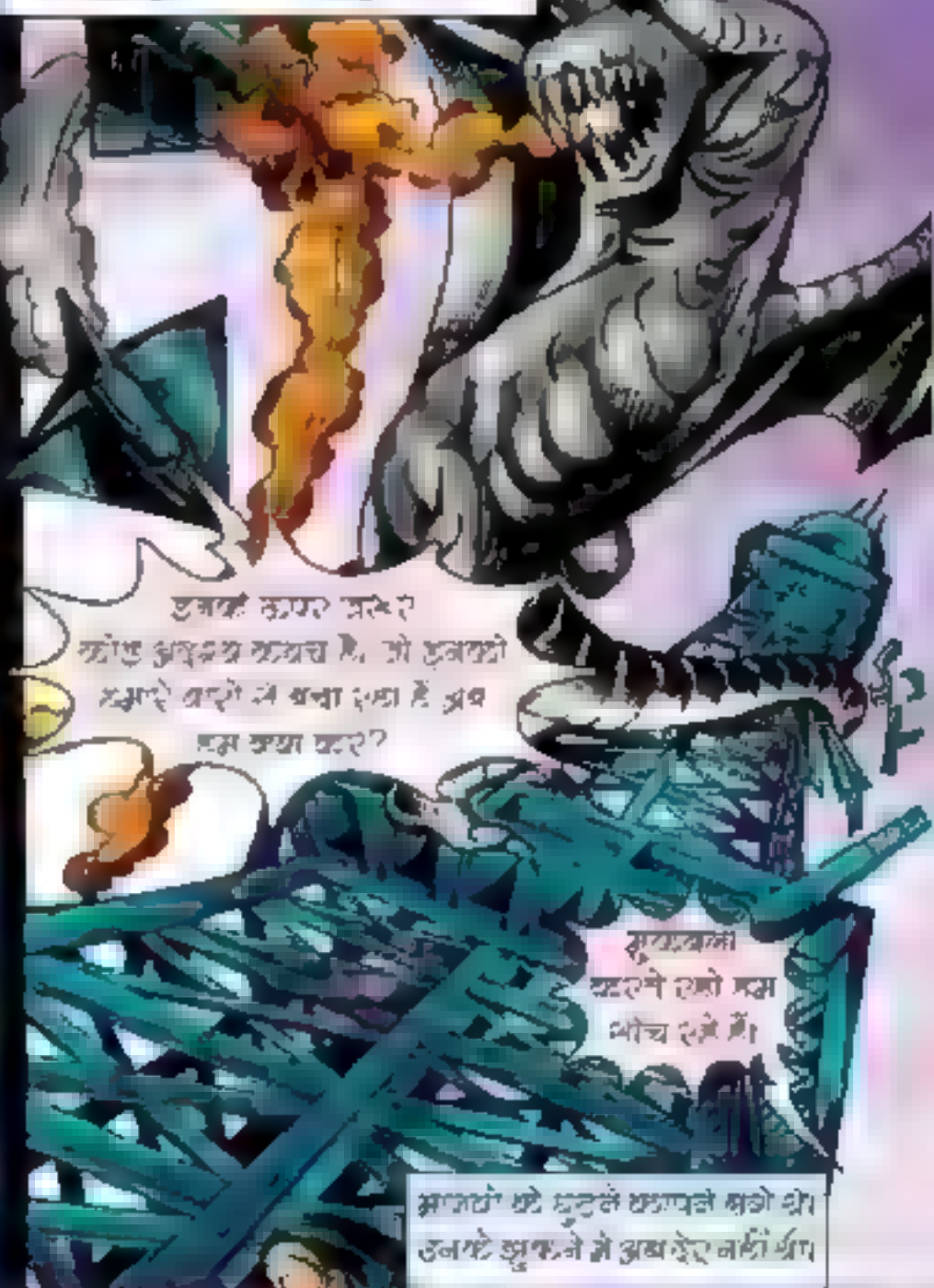
"या फिर उनके पास कर लेते हैं वील नहीं के दोबो।"

"सर्वोपर दुर्जेदल को मारो करो दीर्घात्म से मारे
या फिर सभ सा जो और आत्महत्या करवा।"

मरीजों को बचाव
मरीजों को बचाव करनी
करनी है मरीजों को बचाव
करनी है मरीजों को बचाव

पल नहीं से मरीजों को
इस पर अमर डकले या नहीं।
और उनको बचाव के लिए हम
जिदा भी रहेंगे या नहीं।

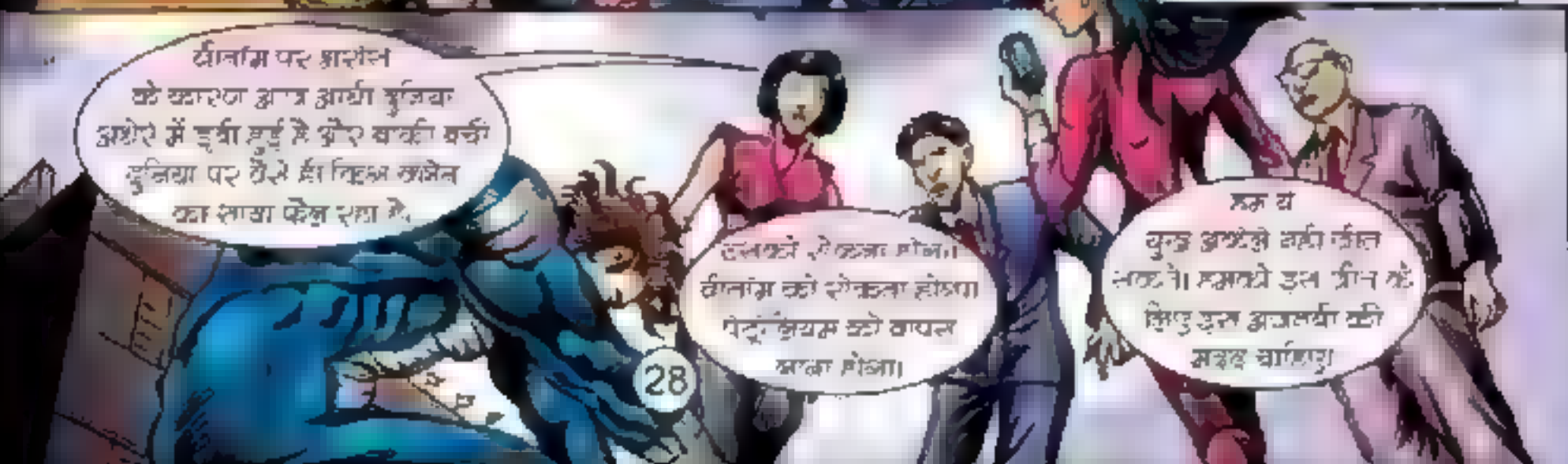
दुर्जेदल को बचाव की एक
मरीजों से बचाव की तरह हुआ है।



उनको कतर प्रले
कोई अविश्व करवा है, जो उनको
हमारे वरों से बचा रहा है अब
हम क्या करें?

मरीजों को
कतरने लगे हम
भीच रहे हैं।

मरीजों को बचाव के लिए हम
उनको बचाव में अब देर नहीं थी।



दीर्घात्म पर मरीजों
के कारण अब अभी दुर्जेदल
अधरे में डूबी हुई है और बाकी बाकी
दुर्जेदल पर ऐसे ही विश्व मरीज
का सारा फैल रहा है.

उनको रोकना होगा।
दीर्घात्म को रोकना होगा।
दीर्घात्म को रोकना
होगा होगा।

हम व
दुर्जेदल को नहीं रोक
सकते। हमको इस दीर्घात्म के
लिए इस अविश्व की
सबसे बर्बाप।



मेरी शक्ति
मेरा हाथ नहीं
छू रही है।

तुम्हें लकड़
होने वाला आ आइए क्या
है? उसके पास शायद
क्या रहता है।

अगर रहता है
तो मिस्टर आइड से कहना
कि हमको भी बताओ हमको तो वे
भी पता नहीं है कि वे कुछ शुरू
करने के लिए हमको
बता रहा है।

वे ये कोई अदृश्य
शक्ति है शायद अतर्क
का पदार्थ शक्ति?



कितना पता
प्रदर्शक नहीं
क्या

परन्तु ये कुछ
नियम शक्ति
नहीं

किस स्लेक से
कई मोर्चे खोज
रहे हैं।

मुलाह
क्या है?

अबने पहले तो मानना
हो कि 'किस स्लेक' की मुलाह
है से आशय करना होता, ताकि वे
निर्भीक मॉडर दुनिया में उपयुक्त
मनवाना के लिए हमें
समय मिल सके।

किस स्लेक का मतलब
है कि अदृश्य शक्ति का उपयोग
करके हमें पता चलने वाला दुनिया
के अंदर पर ऐसा असर करना है कि वह
आत्मतत्वा कर बैठता है इस तरह से कोई
दुनिया की ही मजदूरी कर रहा है।
अबने पहले उस कलाक सेक्टर को
खोज करना होगा।



दुनिया मोचा है विलम्ब
की प्रभावकारी शक्ति से इसे
मथियाएँ को समझ करती, परन्तु वे
मथियाएँ उस आवास में हैं जहाँ पर
किसी कलेज को आदमी पहले फेंक
कर दिया गया था। वह सब आत्मतत्वा
मालूम कि कि परन्तु पता
अबोध है।

पर मेरे लिए नहीं
हम इच्छाधारी वाता
है ही किताब कलेज के
लिए वह आवास बनाया
था। यहाँ आने वाले से
हमको कोई संकट
नहीं लगता।



और काइ
मार्चा है?

है। मॉडल मोचा
यहाँ है जहाँ पर नाविकीप
के बाव बौद्ध हैं। उनकी राय
मेरी से किताबों का रहा है।
वे मोन की कला पर हैं। पर
अगर कुछ गिनना है तो
सबसे पहले चौथे मोर्चे
को गिनना होगा।

चौथा मोर्चा
क्या है?



नौकरों मोर्चे के
हीकल बजान में। उमा पर
बाबरराज कोड़ है। उनपर वह
बचकर हमारे साथ आ गया
तो आधा खुश हो कर ऐसे
ही चील बनाने।

बाबरराज
कौन है?

यह लाली ही
सकना। अगर वह कौन है
तो मैं उससे लफटें क्यों
करी कर पा रही हूँ?



क्या कहें बुझसो की
कोड़ से उसकी बिकार बढ़े
और बाबर लाली आ नकरा।
ये मैं वह मुर्खता है।

य कर्म कांड हो रहा
तो लाली है। कर्म ही अदृश्य
शक्ति का कहना हम कैसे
कर सकते हैं?



हालांकि मैं जान
हो कि बाबर हमारे पास नहीं
पुकारता लग है, यमा पर खुद ही कहकर
समय व्यर्थ करने से अच्छा होगा।
अगर हम इनकी भविष्य
की बात करें।



यह की कसौटी
पर जो वह प्रदर्शन
की बानें लाली लज रही है।
मैं अचानक से भागना
हूँ, हमका गावा
बाबर।

विशाल कहते हैं कि
शत्रुवाद। अब मोर्चे नील है। क्योंकि
नील और चौड़ा मोर्चा एक साथ ही है
नील। मैं ही पर एक साथ हाथ बांधना
होना, ताकि बुझसो की भविष्य होने
का मोर्चा ही न मिले।

यह लज कर पा
कहिना मोर्चे पर कोड़
हाथ बांधना।



हम नील
हैं और मोर्चे ही
नील है।

नहीं हम बाहर हैं।
मैं ही तुम लाली के साथ हूँ और
मेरे आलाप विद्या वसंत को भट्ट करके
का तरीका कोड़ लाली बनना। ये मैं ही
किना कहने के बाद होने से उवाडा
काववा मुझे ही होगा।



और मेरे अलाप से
हमका अचानक बनने को
बाद कर कम और लाली होना
गलती। क्योंकि वह मोर्चा
ही ही सकल है।

इसलिए मेरा दुआवा
है कि हम पहले ही लाली ही
चुनें और लाल पर अदृश करें। विलास
केवल, अलसी और विनी के किन्ने
लाली और लाली को मुझे का
अचानक और मेरे किन्ने।

और मानवी पर शत्रुता
बनकर मद्रासी सुनाइ दे
मे कौन लफटें?



अंदर में
झुल जाऊंगी
उधेरो।

पर कैसे ? बार
अपने आप लुप्त हो जाऊंगी
और अंदर दुख पर बार बिजय
तो बार बार कई भुजा बंद
कर वापस मरु पर
ही आऊंगा।



क्या वो कलम
अज्ञान हो भया
विलगी।

तुम क्या
करने ज रही
हो?

विजयपकोट का
बार करने। ये देखा गिल्लरसी
विजयपकोट है जो बनने ही फट जाता
है। इतना मरु ये आत्र तक किसी
क काम नहीं आया।

पर आत्र
आइया।



अब देख
हम पर विजयपकोट
बनने।



और तुम
मर जाओगे।



इधर धारों आत्र 1
तुरन्त मरु पर बार करने
क क्षिपु इनके प्रतिस्पर्धा
बनाई।



और व प्रजन्त ही
मर पड़ेगे। बार पर ये
हमारा शर होना।



इच्छाधारी और पास
शक्ति फिर से निमिषकोटी
के प्रालम्भ ब्रह्मास्त्री
से फर फटेंगे।



मृगश्रवणा तन्त्रधारी शक्ति
और इच्छाधारी शक्ति से आ

और वे चक्रवात
नये नये ब्रह्मास्त्री
जब नये इच्छाधारी शक्ति
की इच्छा के चक्र नये
उपजायेंगे।



और तन्त्रधारी शक्ति पाठ करने वाली ज्ञानी थी

हो, लक्ष्मी भव
निर्माणा।

मेसास का
आधुनिक अक्षर या
वर्ण अक्षरों आनी तो
शायद और पुन की
न पायी



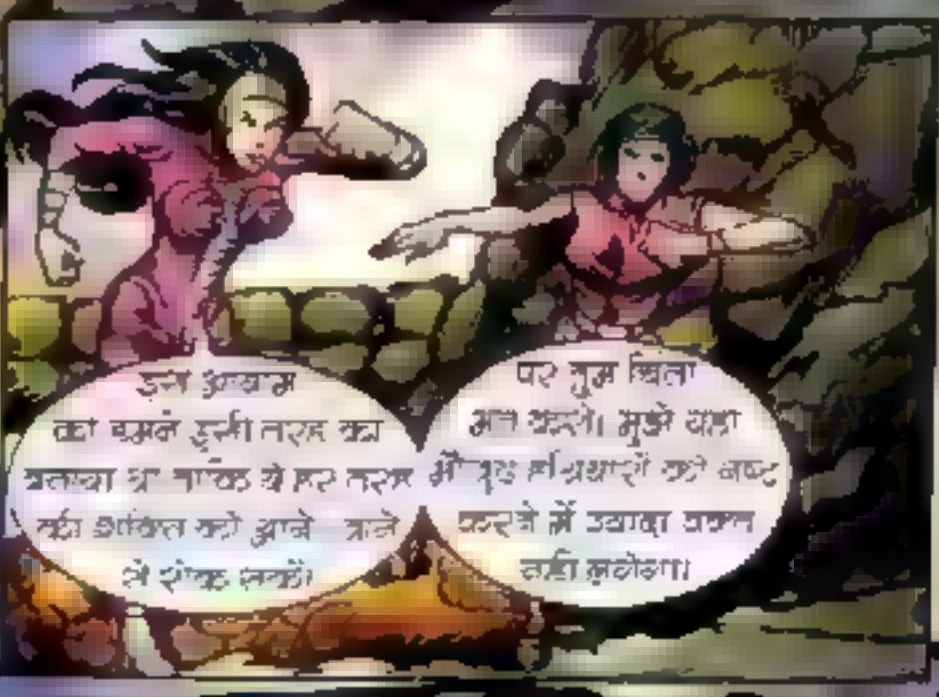
अब शक्ति
क्या है? ब्रह्मास्त्री
नियम नहीं है। ब्रह्मास्त्री
की शक्ति ब्रह्मास्त्री नये
प्राप्त हो गई।

शक्ति के पुन
सि है आरनी।



हमारा
इस आयु में
और १५ ब्रह्मास्त्री के
नियम ब्रह्मास्त्री
आयु में

अब और भी
मेसास निमिषकोटी शक्ति
हीन हो गई।



इस आयु में
का ब्रह्मास्त्री नये नये
ब्रह्मास्त्री नये नये नये
की शक्ति के आने नये
से शक्ति नये।

पर नये शक्ति
नये नये। नये नये
और नये नये नये नये
नये नये नये नये
नये नये नये नये।

क्योंकि ऊपर वे लार हँचियार
 रचनाओं वाली इच्छाधारी नार्मा के विष
 की लार से चपुन में ना में उन केर को की
 का आकर्षण कल का ध्योन खानम सेने में
 ये यनाऽ कलारी लवियार दीत के
 निकले बनकर रत

॥ देया वे यहा नो
 अलंख्य लवियार में। उन लवक
 पुक-पुक करके लक करके में
 नो अलिया सैन चपुन में।

पर एक काम बड़ी
 आलवयलक में विनारी।
 इस लवियार के लार पुक की
 कल आली का लकलार
 लार लकी आ लक है

यह ललाकार
 कलारी के ललु में अल
 लकलार में।

और लकी लक लक
 लकली ली ली लकी ये लकली
 एक लकलार लकलार रत।

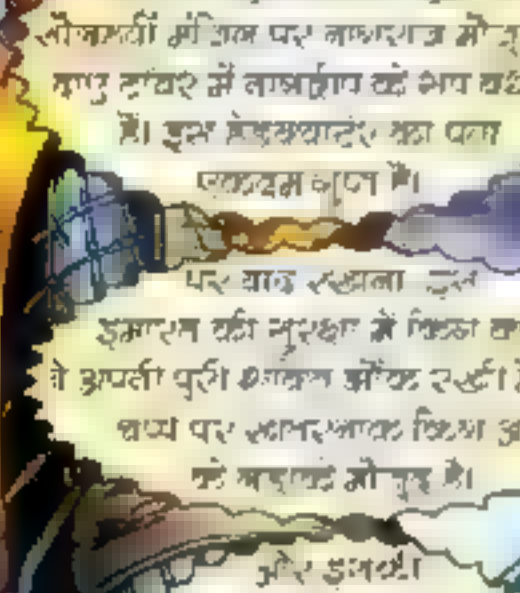
लकलारे लकलार
 लकी के लक की इच्छाधारी
 लकलार में लकलार लकली लकी
 लकलार लकलार लकलार
 लकली है।

तुम लकलारी में लकी। ये
 लकली है कि लक यहा में लक लक
 लकी लकलार लकलार है।

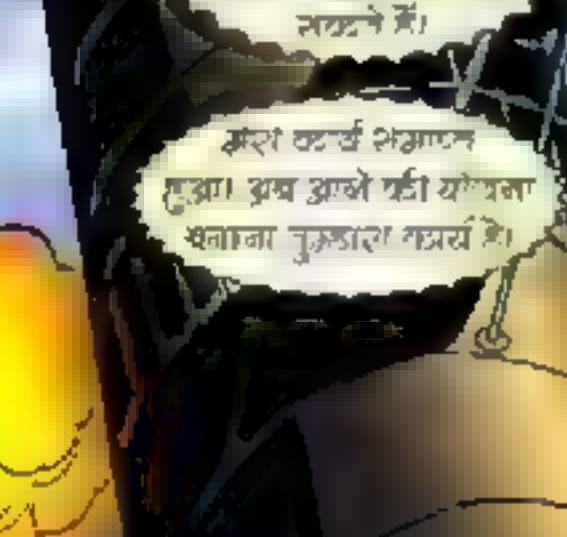
लकलार लक लकलार लक लकलार लक



तो इसका चपेट में अजनबी
और मेमंथ भी आने वाले थे।



यही है वह इमरान
त्रिभुज का त्रिकोण की पृष्ठ से
सोनासी में त्रिभुज पर नागराज मोरु है
कातु त्रिकोण में नागराज के भाग वक्षत्र
है। इस त्रिकोणवाले का पता
एकदम बाज है।
पर बाज रखता इस
इमरान की सुरक्षा में किता कबूतर
ने अपनी पूरी शक्ति को रखा है। चाहे
बाज पर खतरनाक किता आती
हो वक्षत्र मोरु है।
और इमरान
सुरक्षा प्रणाली में हर
एक शक्ति की कान मोरु है
त्रिभुज का त्रिकोण वक्षत्र



કોઈક દિવસે કોઈક વાણીજી
 સમય વાણીજી કહી
 સમયે છે।

કોઈ કોઈ સમયે
 કહી કહી કહી કહી
 કહી કહી કહી કહી

संसार में जो
सकता है कि पूरी दुनिया पर
नज़र रखे हैं वे हमारे दुनिया ही
आत्म में बचकर अपने दुनिया
का दुनिया कर रहे हैं।

हम संसार
हैं वही दुनिया ही है।
दुनिया में हम दुनिया पर
नज़र रखेंगे।

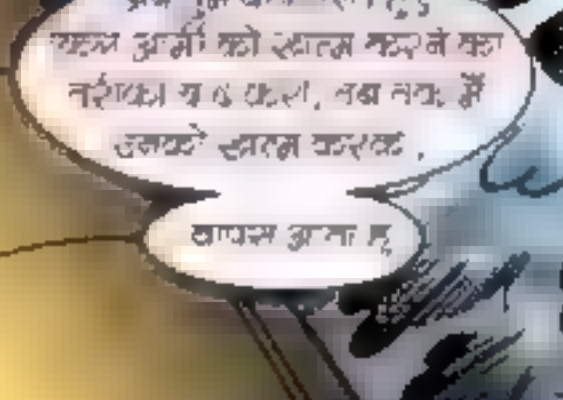
क्या क्या
संसार?

35

मिलने लगे हैं जो हमारे मन में हैं।

हमारे मन में हैं जो हमारे मन में हैं।

हमारे मन में हैं जो हमारे मन में हैं।



अस तुम यका केरा हनु
यका अमी को खात्म मरने का
नरका य ६ कला, नका नका हों
उलकने सारक मरक ,
सायस अना ह

हं दुर्भी को कहते हैं
दुष्ट से हाँककर भाग लेना,
तो दुष्टा पकता है और दुष्ट
से पैसों रकता है।

मैंने ज्ञान की
चिड़ की थी, नमाने
की वर्षा।



क्या क्या हुआ? तुम ईश्वर को खो गए?

आगे तरफ, पर गुरुद्वार पर अवश्य हीवारे छाई है मैं पता नहीं क्या, उनका पार नहीं जा पाया और मुझे झटका भी मिला। उस झटका ने मुझे वापस भोग दिया।

मुझ भोजन का मौका देने को ये लौटन लगी थी।



मैं पाले इस इमारत का पहचान नहीं पाया था। क्योंकि मेरे समय से इसमें काफी बदलाव हो चुका है। फिर मेरी याददाश्त भी कमजोर हो रही है।

तुम्हारे समय से क्या क्या गय है?



ये इमारत मैंने बनवाए है। पहले ये मेरी कर्मिका का पुराणा बन गइल। बाद में हुआ बदला। वो घात का कारण बनती गयी और मैं इस विकलता की लक्ष्य बन गया हूँ। इनके अंदर जाने का एक ऐसा रास्ता है, जिसके बारे में पता चलने लगे हैं। मैं जानना चाहता हूँ।

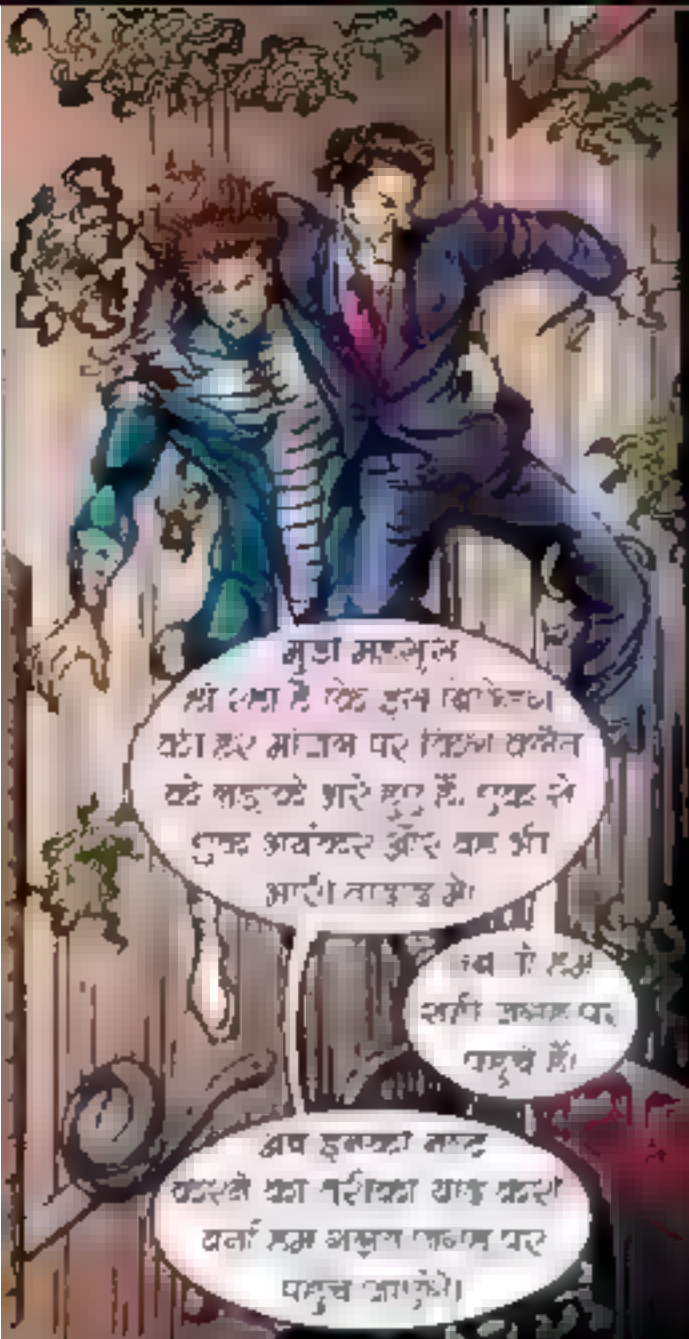


ये एक अत्यंत शक्तिशाली है जो बिफन के लिए बना हुआ है। पर इसमें बिफन नहीं लगी। इसके दर दर पर जाने के लिए दरवाजे हैं। पर ये दरवाजे केवल से इन्के रहते हैं।

इसके ऊपर कोई अवरोध नहीं मिला क्योंकि कोई इस राज्य के बारे में जानता ही नहीं है। नोट्स को इन्हो

सबने ही आवश्यकता नहीं है।

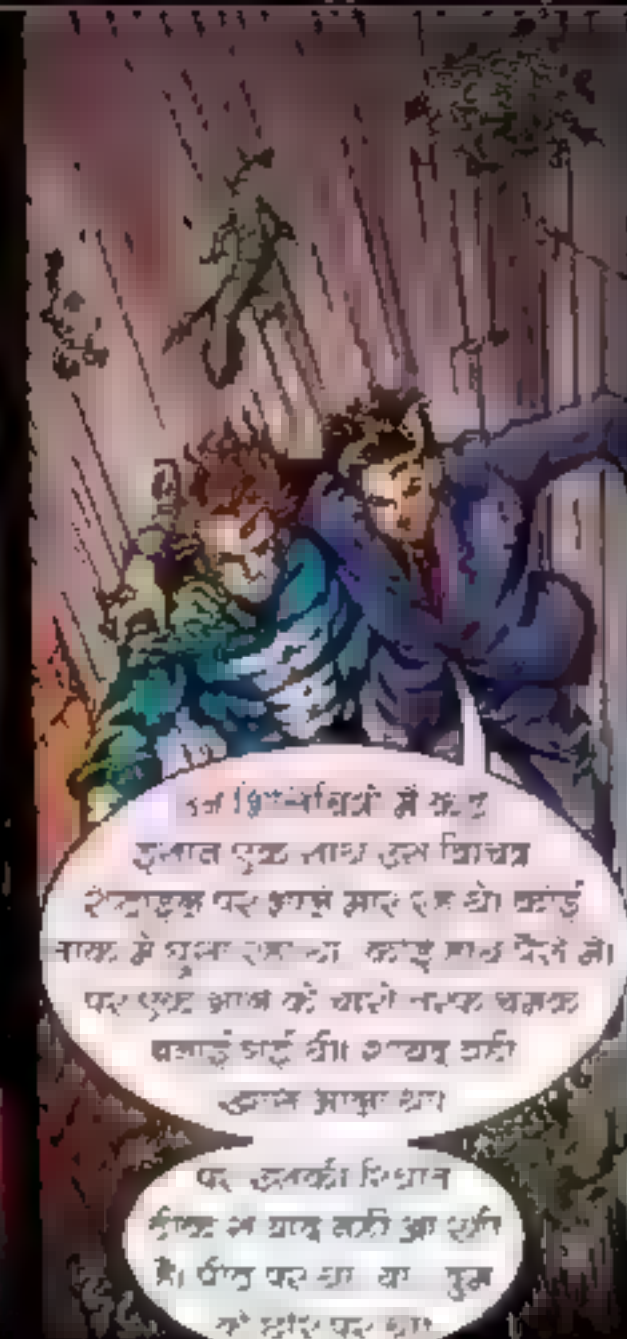




मृदा माहल
में रहा है कि इस विशेषता
का हर माहल पर किसी कर्मचारी
के सड़के शरीर हुए हैं। कुछ से
कुछ अवसर और वह भी
भारी ताकत से।

वह तो हम
सबि जगह पर
पहुंचें हैं।

अब इसकी ताकत
करके का तरीका यह करके
वर्तन हम असुर माहल पर
पहुंच जायेंगे।



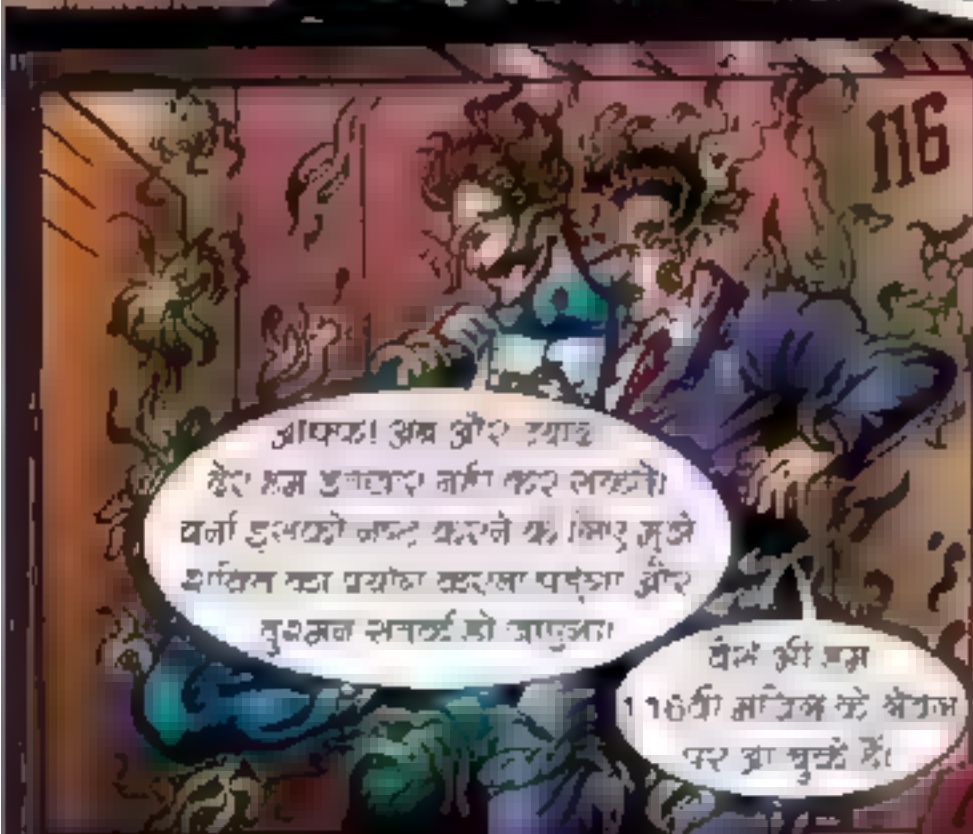
उन विशिष्टताओं में कुछ
इसलिए कुछ ताकत इस विशिष्टता
से ताकत पर ताकत और एक ही कांड
नाक में घुसा रहा था। कांड ताकत देने में।
पर कुछ आज के चारों तरफ चलाकर
बनाई गई थी। ताकत नहीं
हमारे आकाश में।

पर इसकी विशिष्टता
ही है ताकत नहीं आ रही
है। ताकत पर का ताकत
को ही पर का ताकत



आपका यहाँ तो दीवारों
पर धमक रहे थे छोटे छोटे जाकर भी
हम पर आते-आते कर रहे हैं।

बहुत दौड़पट में तुलना है।
तीव्र पलकता, वह भी दौड़पट पर
ही चिपक रहा है। ताकत की ताकत में
आपका इसकी ताकत में ताकत
शिखर मिले है।



आपका अब और ताकत
है। हम इसकी ताकत कर लेयेंगे।
वर्तन इसकी ताकत करके का ताकत में
आपका ताकत करके का ताकत और
ताकत ताकत को ताकत।

वैश्व ही हम
116 की ताकत के ताकत
पर ताकत हैं।



ताकत है। पलक
रिश्ते का आपका ताकत और
ताकत ताकत ताकत



Allack



उनके मित्र धनवध ने
मेम्बरों को इस इलाके पहले कि
किन्नी को हमारे पास भेज दी
अनन्त अन्धों में लाभदात्रको
यहाँ से ले जाऊंगा।

ना उन्हें भलाइ न
बाकी सब सही जगह पर
पहुँच है।

हमारे पास यहाँ पर तो
किन्नी कभीतः क्या कोई भी रक्षक
मौजूद नहीं है। आश्चर्य।

रक्षक! यहाँ।
क्या पसल है? लाभदात्र
बाहर जा नहीं सकता और
अगर कोई आ नहीं
सकता।

येन ही
सामान्य रूप से ये उन
दिल नक पहुँचने को लायक मान
भियोरिटी चेकन को पार
करना पड़ता है।

मे नुसको छोट
सल्ले से नहीं जगह
नक से डूबा।



कलम कलम को
हमारे को किन्नी में उस
बोना को सुरक्षित स्थान नक
पहुँचा कर यहाँ वापस
जाऊँगा।

ये ये क्या?
मेरी अस्मिता निर्दिष्ट
क्यों हो रही है।



धीरे-धीरे रहना
अनन्त। अन्धों का
कहेंगी। अन्धों का कहेंगी।



मुँकत निक
मेरी।



तुम तुम
ने किन्नी कलम को
मेम्बर हो।

अन्धों को।

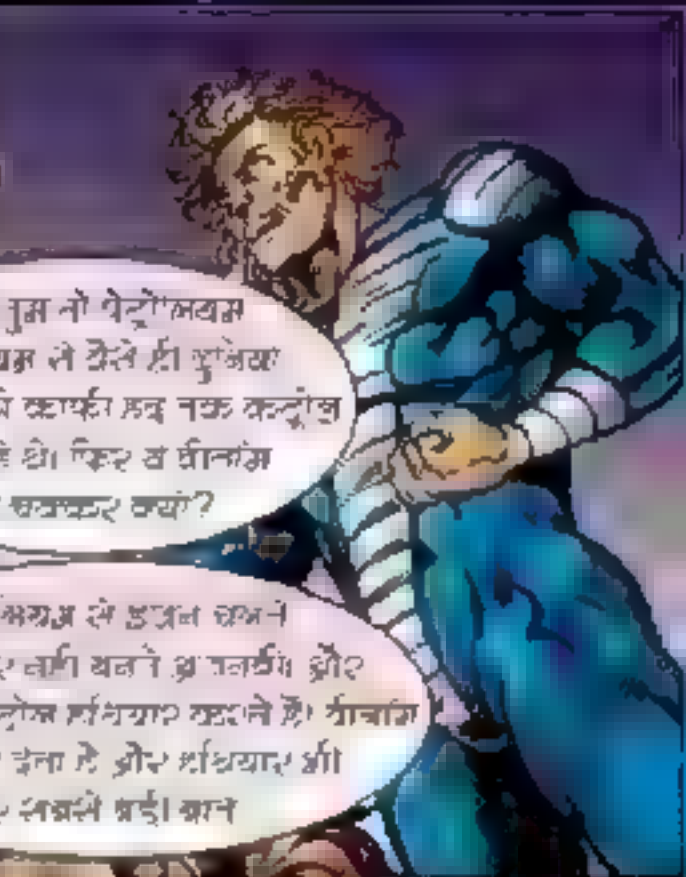
ना फिर
अन्धों मेम्बर
कहा है?



मैं ही वृ अलसी मेसाथा
मम लवियों से मानवों के बीच में
उमने आए हैं और ममन कछमहारी शमन से
उन ममर को वा लुवा है ममनके कछम
ममको इच्छमहारी लम ही लकीं
पममन ममने।



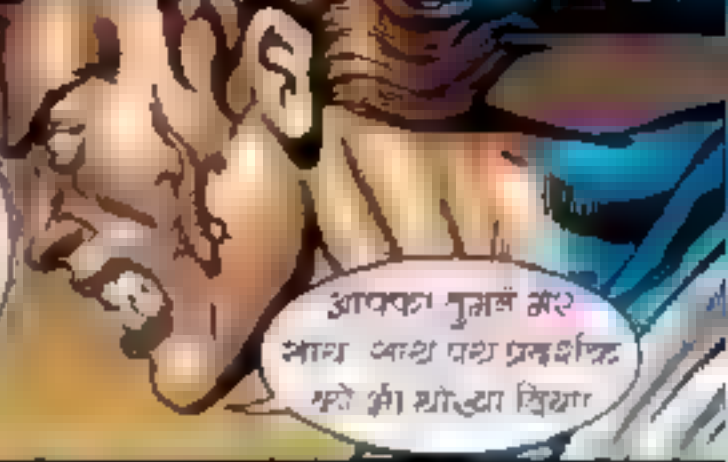
फिर तुम नो वेदोममम
के ममम से येसे ही मुमका
की ऊर्जा को कछकी मम नम कछम
कछ रहे थे। फिर व मीनम
का कछकछ कछ?



पदोममम से डमन ममने
हैं, ममियार लकी मने व ममकी और
मुमका को कछम मममम कछमने है। मीनम
ऊर्जा ही इना है और ममियार की
और लमसे मदी। मम



म लम के लम
मम ममारे परम मुमम
इच्छमहारी लम का कछम
कछम ही देका है। मम मम
ममने इन मुमका को ममियार
ममम है वो मीनम मीनम
की कछम के मम पर।



आपका मुमने मर
मम मम पर मममम
को ही मीनम मीनम

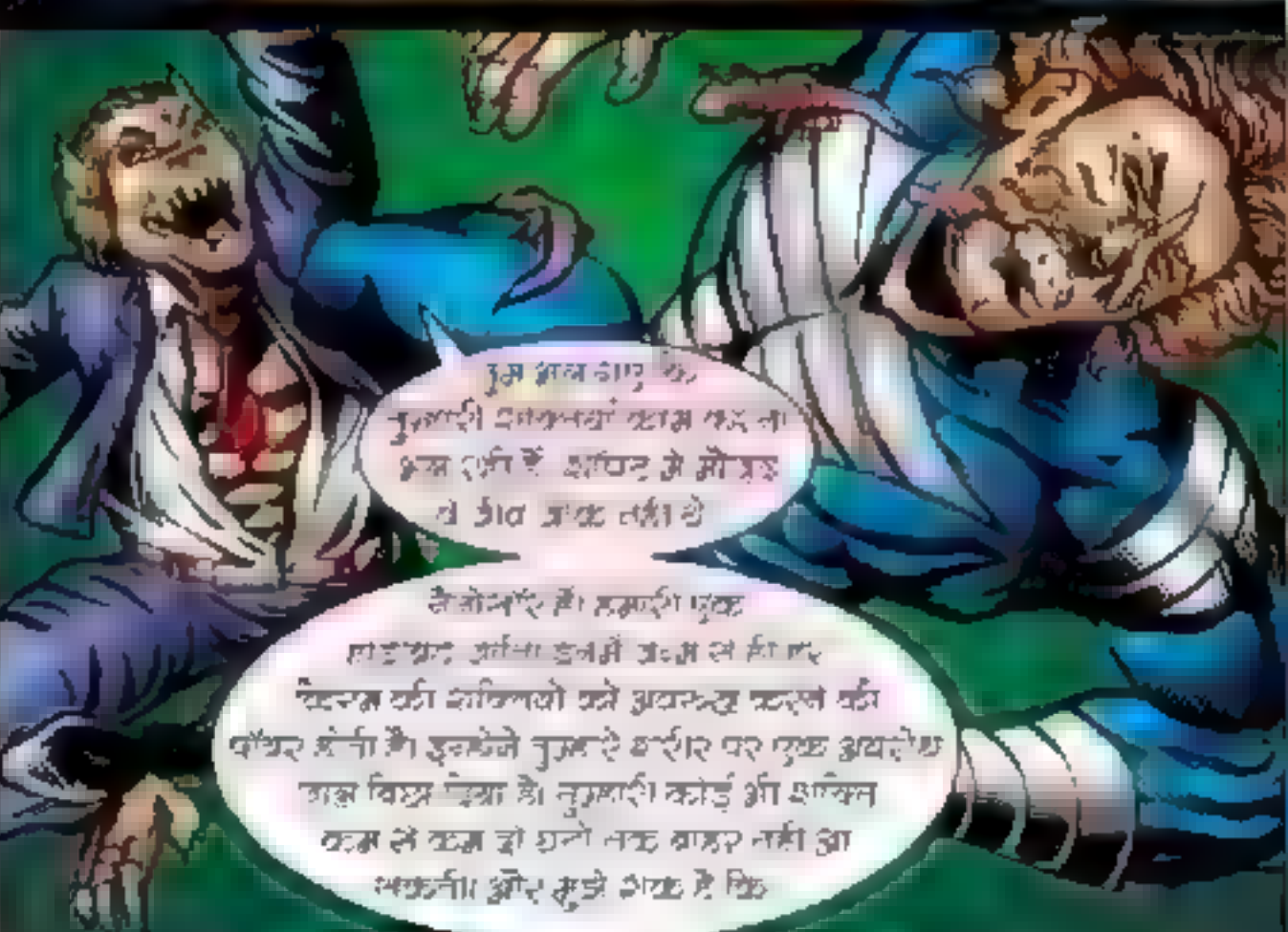


मम है मुमम पर
ममममम मम मीनम मम
ममम मम और अमम मम
कछमम मरे ममममममम कछ
ही है। मम में मममम को
कछमने की कछम।

मम में मम का
और मुम रहे थे मुम ममके
मममम से। ममारे लमने मुम मम
मम कछम पर मममम मम
मम, मममम।



ममने मदी मममकी
ने मुमने की है मुमने ममने
कमम के बीचों बीच
में ममममम।



मुम मममम के
मुममरी ममममम कछम मम
मम मम में मममम मीनम
व मीनम मम मम

मममम है। मममरी मम
मममम ममम ममने ममम मम मम
ममम की ममममो मम मममम कछम की
ममम मम है। ममने मुमने ममम पर मम मममम
मम ममम मम है। मुममरी कछम ही ममम
कछम से कछम मी मम मम मम मम मम मम
मममम। और मम मम है कि





..क नु हा
मिनट तक भी जिवा रह
पाएगा। अब पहले न युवा
ओलेगा फिर मरेगा।

इस वकल सिफ
न ही हमारे पास सचसे
मद और युवा
रहता है।



परतु मानवो क पाल से मानवता जहा की

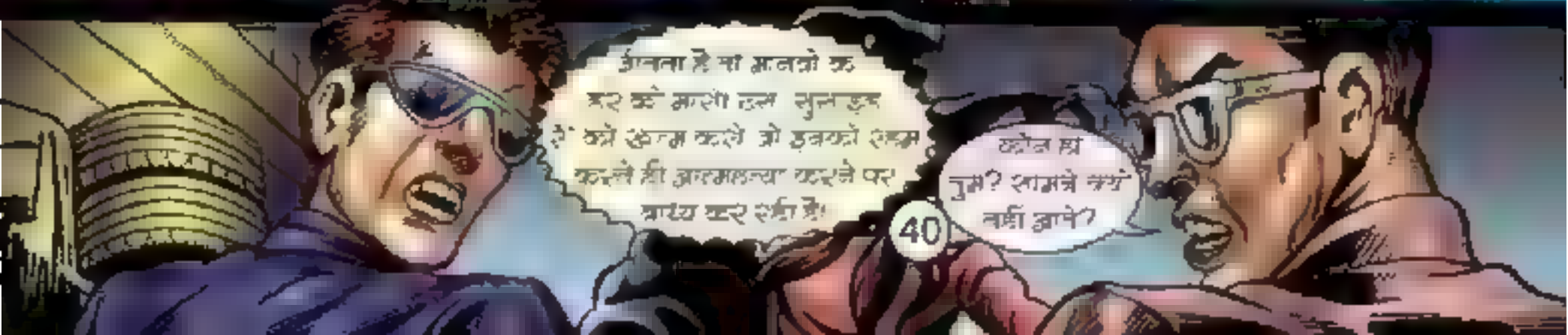
बा को
है न? क्या नरे त्रन
कोर की है?

अनया जब तक जिवा था तब
तक उनका युवा
रहता है।

इसके अलावा
को इसके मेरे न कलक
इले निकलओ। हमरी
मद करो।

मुझरी मदद करके
को आसपास कर ले की लोग
आपकी मुझरी मदद करके में हर तरफ
ले में है। मुझे माफ करो, आर्डी
में माफ कर दो।

आपका हम संख्या न
कम है। हमको जि जय के लिए
मानवो की मदद चाहिए।



अनना है न मानवो क
हर के मानव हम सुनइ
है को खत्म करे जो इन्को खत्म
करने ही आसपास करके पर
काय कर रही है।

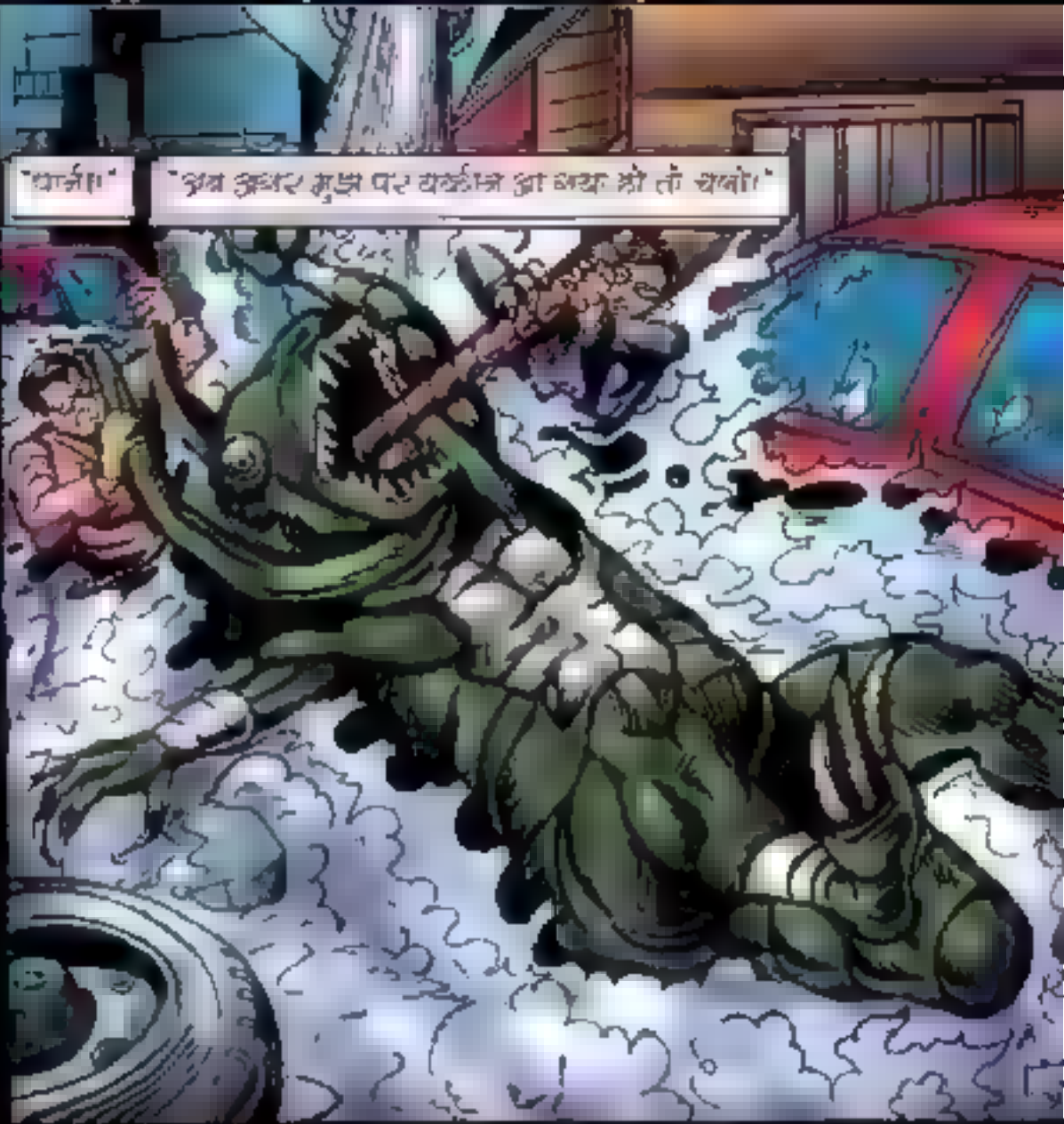
कोर न
तुम? हमने क्या
नहीं आपने?



मैं तुम्हारा मित्र
हूँ। तुम्हें जीवना है जो मेरा
विश्वास करते

तुम पर 'वडगा'ल
करले का सकारे पाल कोड
कारण नहीं है।

नो मुनो! वादा फका।
तुमने का सकारे भूमिच्छ हो। भूमि
नो इमकी भूमिच्छ है और 'वडगा'ल
करले का सकारे
करले के लिए चाहे।



"वार्ता!"

"अब अंतर मुझ पर बर्काने हो गया तो चलो!"



"तुमको भुलाने है कदम नदर को नदर ही करता है और परी तुमका का इमकी सकारे की वही है."



अज्ञान भूत के अज्ञान में यह पता
चला है कि तुम्हारा से अज्ञानताओं
के दौर के दौर ही अज्ञान का ही कदम
है। ये भी के अज्ञानताओं में अज्ञानताओं
'मुनो' के अज्ञानताओं के अज्ञानताओं
इस अज्ञानताओं के अज्ञानताओं का अज्ञान है
और अज्ञानताओं पर विश्वास करना
नहीं। अज्ञान है।

य वार्ता अब हम एक
दुनो की मदद की खुलकर कर
सकते हैं और अपना ही।

मगर कलें के कलें कर दिया जाने शुरू हो गया है।

परतु रहल्य अही भी बरकरार से ओर आकर भी।

आज इती ने हमका रुसाया हे ना अजबरी की जल भी आकरे मे मारी।

होरी नहीं, हे मेरा दूसरा रूप हलले इतरेय मे रह है पर तुम अपने अकरे को चारे में भेंचो।

तुम ना जल पकड़ मुझा नहीं छोडोना कम तक आगवद तुम्हा रोडो। पर तुम्हारी मुझा ना मरुको बड करती है। पर रुकी मरता।

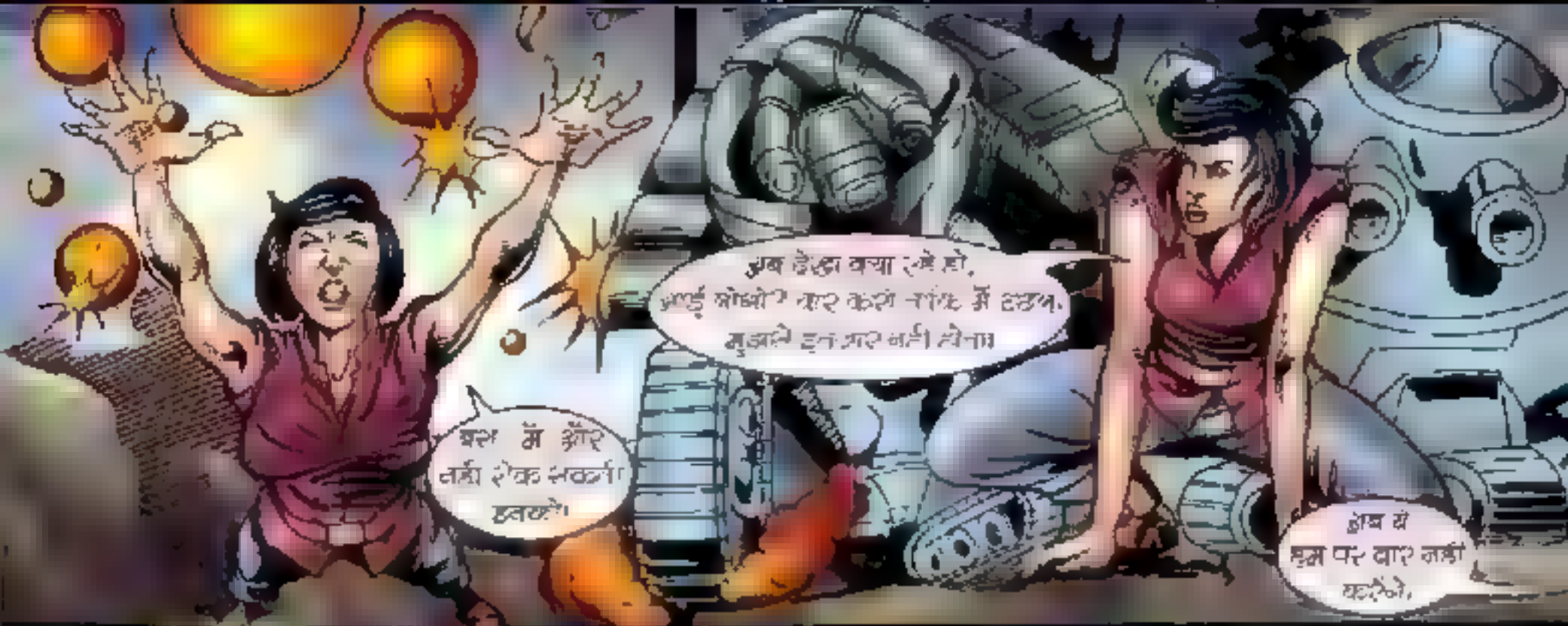
किज का लुआअवरी भुनने में भेरी पलम मारी है।

[illegible]

इस मेरे पास इन्हीं
टाकेल नहीं है, लेक गाल्दी
मे श्री लफं कुलु लेकल के अलु
उनने कल कलक के मे
नल ही नहीं रही है।

42

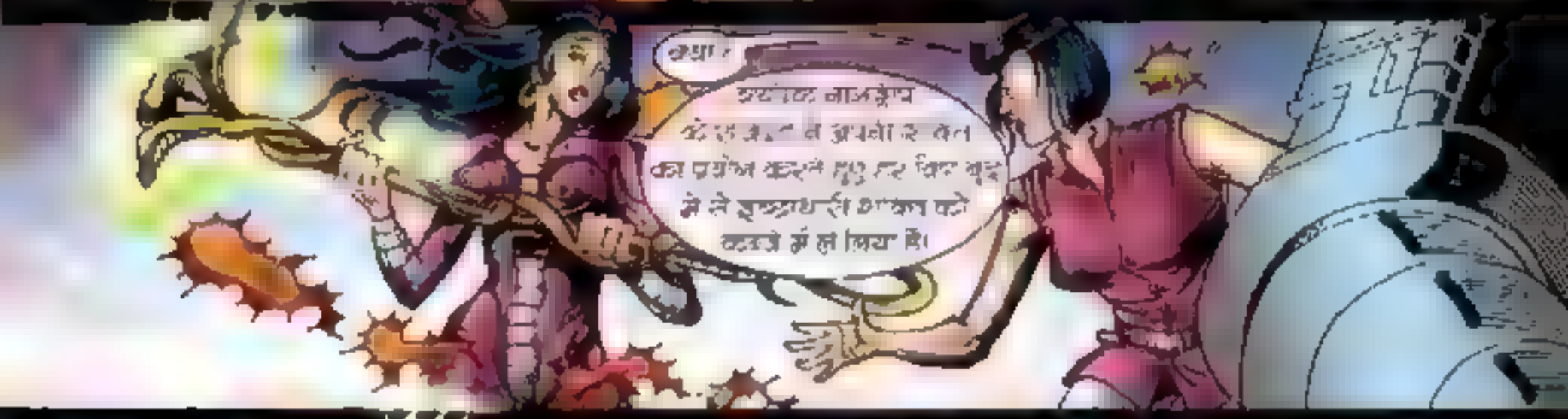
उत्साह अथ
क्या करे? दोस्तों,
विश्वी या हमारे मरने
के बाद साक्षी?



अब देखो क्या रहे हो,
आई सोझो? बार करो नाई में दखन,
मुझसे इन बार नहीं लेना।

बस में और
नहीं रोक सकती
हवाको।

होय ये
हम पर बार नहीं
करेओ,



कथा -
अपनाक नाजकाम
के लक्षण व अवरोध को
का प्रयोग करने हुए हर विषय वृद्ध
में से इच्छाधरी शाका को
कहते में ल लिया है।



अब ये नाजकाम
की हमारे कहते में है
चौर मेमोरि की।



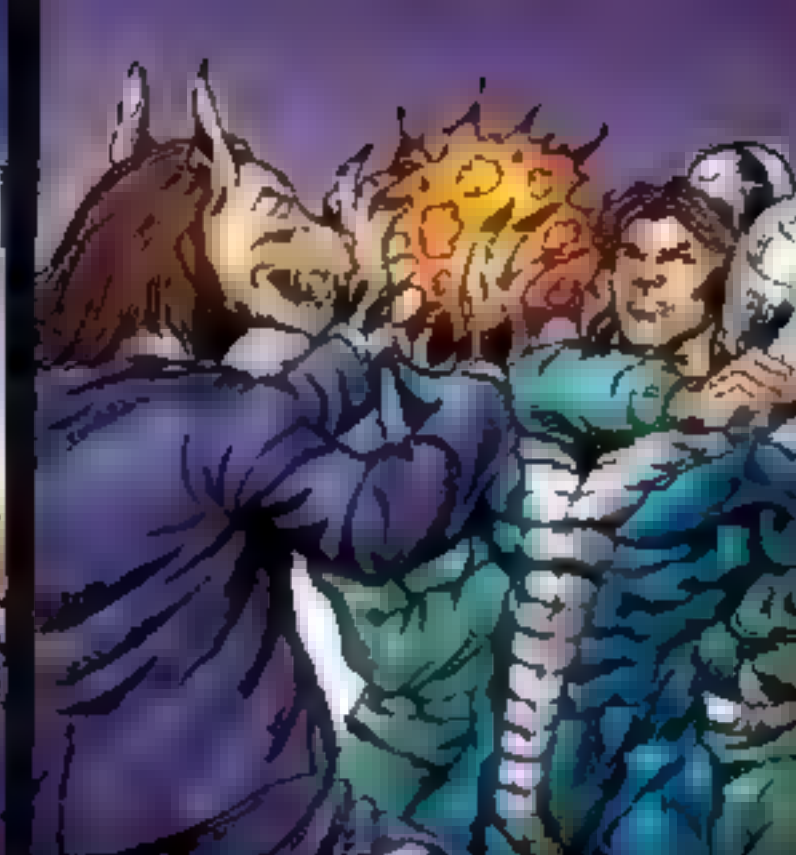
मुझसे कहते
में कुछ ही जमी है
महलेशों,

महलेश

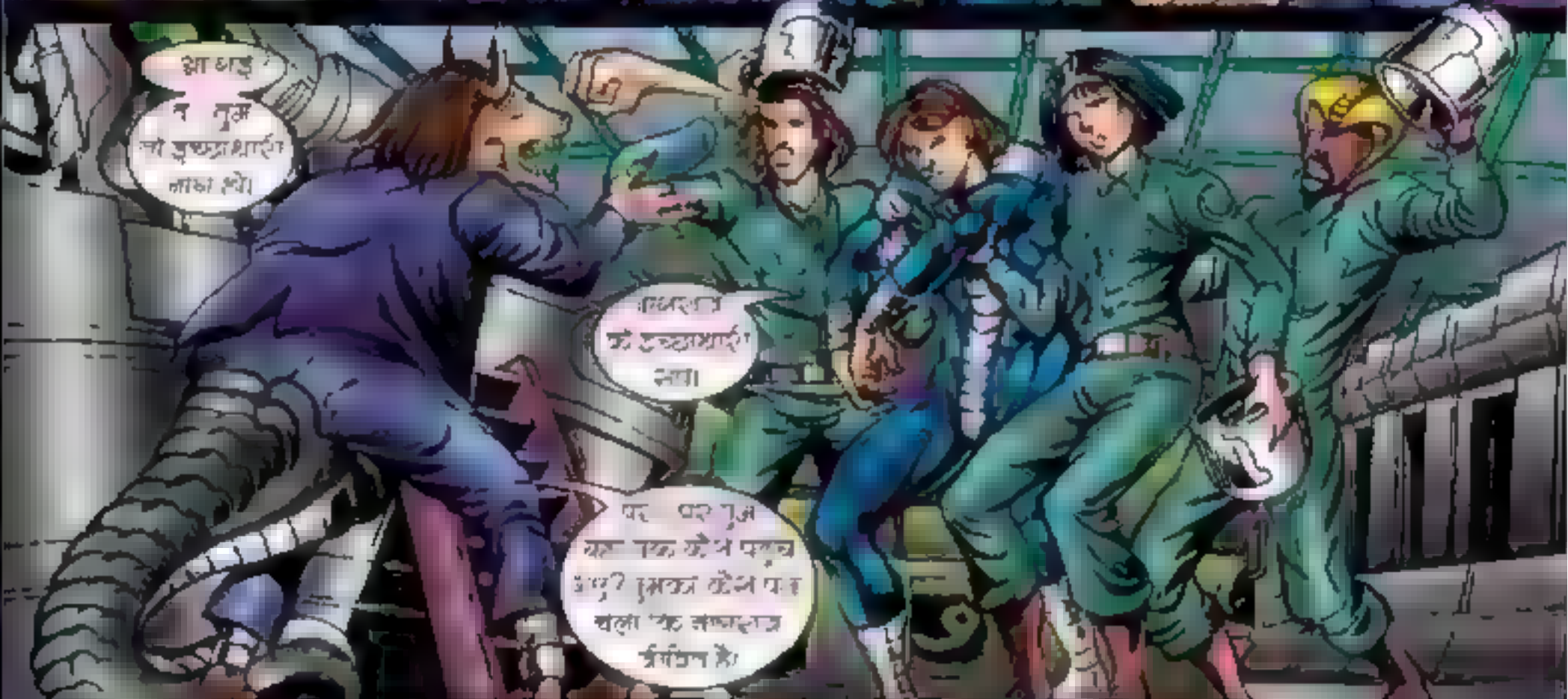


इसकी नज़रें

अस इन्हीं अंशुलता।
छोले गुस्सारे विराजत की मणि
कलेजा और मुबान की
मोहर चाव होना।



ये क्या?
अजनबी में गुस्सा
गुस्सा इनकी आवा
कैसे



आ धड़
न गुस्सा
को इच्छाशरीर
नाका हो।

अजनबी
को इच्छाशरीर
नाका।

पर पर गुस्सा
यह एक कोन फल
है? गुस्सा कोन पर
बला एक नज़र
प्रमाण है।



गुस्सा अदृश्य आवाज
में हमें बताया। हमें वे चिन्तन
गुस्सारे सेटलाइट सेटलाइट रे का
दिकाना बना कर हमें इनको
कह कर रहे का मोका दिया।



अ अदृश्य
आवाज पर मैं त
कह रही।

अस अदृश्य
गुस्सा, मिस्टर हैमिश, यही
गुस्सा नाम है न?

"चाहें दुनियावालों से सम्मान रहे कि वे जान रहे हों।"

"पर सचचाई तो ये है कि इस लोक पर हमारे पास है।"

हमारे इस लोक में
पता है। पर दो सचचाई अभी
और हमारे लिए खतरा
बन सकते हैं।

पहले तो इस पन्ना
के बारे में बहुत ही पता है। यह
पता है। और दूसरा

दूसरा खतरा

दूसरा यह खतरा
आपका है। जिससे हमारे
के अर्थों के लुप्त हो रहे हैं। कल
में हम पर बहुत खतरा और आपका
उत्थान हो रहा है और हमारे
का पता भी दिया।

यह तो ही अविन है,
हमने सुकलने से नहीं है। यहाँ
असुख का ही न रहता। हमने
ही हमारे लिए खतरा

पर पहले इस
दुनिया के यह सच दिया
आपु यह सच ही है। पर हम पर
हमारा खतरा ही है। यहाँ
कोई फायदा नहीं है।

क्योंकि हमारे।
यहाँ हमारे लक्ष्य
नुरा है।

अरे ये ये
सच ही है।
ये सच है।

उत्थान पर
यहाँ ही नुरा

मरी यहाँ से बहुत फला है
वहाँ ही ही सच ही है। यहाँ
कोई और सच है यहाँ पर? यहाँ
ही सच है ये ही सच ही है। यहाँ
ही सच है ये सच ही है।



सही प्रकारे
कहते हैं। अब तो
एक ही ऐसा शस्त्र बचना
है जो हमारे चुनौती देने का
सामना कर सके। वैज्ञानिकों
यह अभी तक सामने
नहीं आया है

अभी की
नहीं आया है।
असंभव है

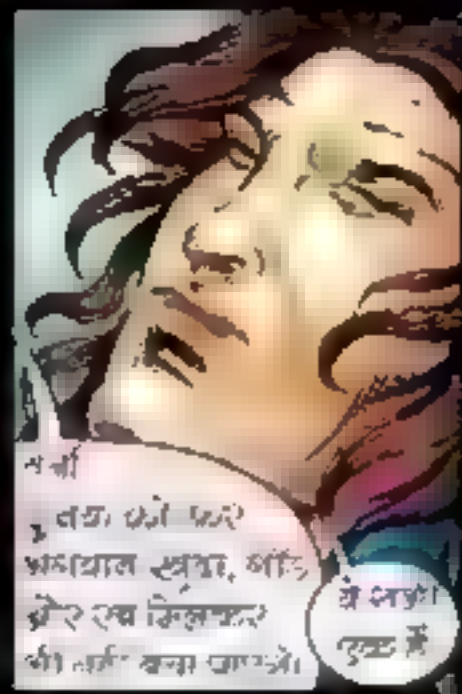


वे हमें रोक
नहीं सके। मिनट भर
दोघात के लिए हम दोनों के
मोहनाब नहीं हैं।

मिसाइल पुनर्निर्माण
का चुकी है।



अब मिनट के अंदर ही आकाश
मिसाइल दुनिया के हर बड़े शहर के
तबाह करने के लिए पुनः संचालित पड़ेगी।
अब दुनिया का बचाव थापना है जो
सामने आ आ।



यहाँ
वहाँ को फर
असंभव स्वयं, और
दोहर एक मिनट
की नहीं बचा पाएंगे।

वे अभी
पुनः हैं



वे
कहाँ?

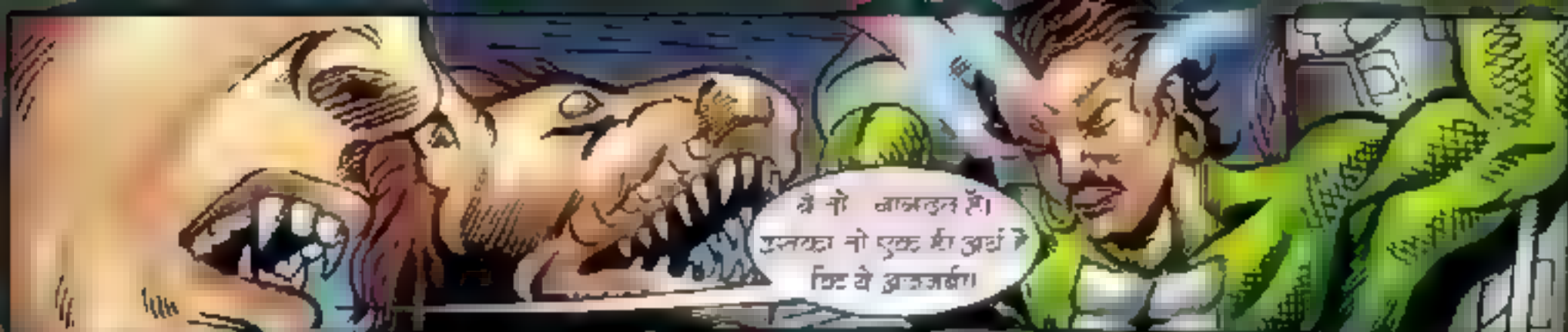


नहीं हम
सब एक हैं।

ये नाजिशत्रु के
अज्ञान, अज्ञानता के अंधारे
में क्यों लगे रहे हैं?



विजय, लक्ष्मी त
को देखो। उनके चेहरे का
कम है रहा है।



ये तो वाकई है।
इसका तो एक ही अर्थ है
कि ये अजर्जर।



जानकारी है।

ये वाकई तब
रहा है। इससे पहले कि ये
परी करके मैं वाकई तब जानू
पड़ा था इसका बदले की भावना
को। ये ये आवाज नहीं
मालूम था।



जहाँ तक
शामने लक्काई नामके आ
गई। मैंने अवरोध की शक्ति
को वास्तव में बढ़ा दिया है।
अब लक्काई आवाज
नहीं हो सकती।



हैं लड़के शक्ति
शक्ति दिखाना।

कहते आपने आप डब
रहे हैं। अरे ये आवाजें कब
वाकई हो गई हैं, आई? अगर न
वेडोचर है तो आवाज बदल
कर क्यों बोली रहा है?



तुम्हारी दुनिया
पर रात्र करने की दुनिया
को देखो यही पर लक्काई
होती है, किता।

ये तो वाकई है।
तुम्हारे तो मैंने मोन के
मुख से स्वीचकर बड़ी अनाया
का फरक फिर ये अजर्जर
कैसे हो गई?

तुम्हारी 'मुल' इट
रे' के बारे में मुझे अभी
अभी सौहार्द से पता चला है।
उसी के कारण मुझे ये पूरी
योग्यता रखनी पड़ी।

आपकी प्रत्यक्ष निगरानी
के तहत इसका के कारण ही मैं
इच्छाधारी कला में बने चुका था और
यहां पर तुम्हारी उपस्थिति का आभास होने की
मेरे कानून के कारण मैं बहुत इच्छाधारी
परिचरित करके तुम्हारे साथ
होना पड़ा था।

मैं जानता था कि मुझे रात्र
के रूप में धार और सातल की काटोडा
कलर की आधुनिक दुर्लभता में तुम्हीं विमान के लिए
अपने आपको लेभक सिद्धोदाई व करके कुछ उपाय निर्देश
दे दिए थे। जिससे एक नए रूप को धारण करके 'विना
आकलन के प्रभाव न करके और हर कीमत पर
मध्यस्थकारियों वाली नुम नक पहुंचने
के निर्देश शामिल थे।

उसके साथ लेभक
'मनोविज्ञान' के कारण मैं खुद की
अपने बारे में सचकुल भूल गया था। मेरी पक्ष
प्रतीक निर्य व मकामक राधा की 'वा वा वा' मेरे
करकी लाजा से मुझे बच आ रही थी या
पक्ष मेरे कालन लकी थे।

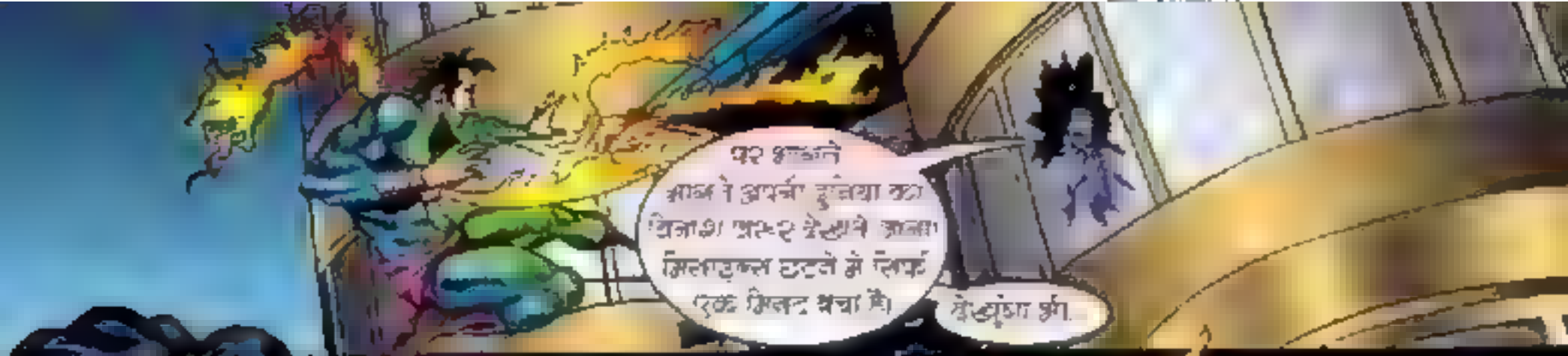
और मेरी लेभक
मनोविज्ञान नहीं दुर्लभ की प्रव
म धार प्रत्यक्ष दिग् के मुख्य
सिद्धांत नक पहुंच जाना।
जैसे कि अब।

पर अब कुछ फायदा
नहीं है। लक्ष्य 'वा न चुपे कि नक
'पक्ष' में फल गया है अब हर मातल पर मौजूद
किता कनेन अभी के लक्ष्य लक्ष्य
यही पर आन वक्त है।

और अपनी धार,
आकलन के काल वक्त
ही न उलने प्रीन
लकी लक्ष्य।

मैं जानता हूँ।

हां हाँ, अब तो लेभक
मुसीबत में डूबकर भागा जा और
न कर भी सका सकता है।



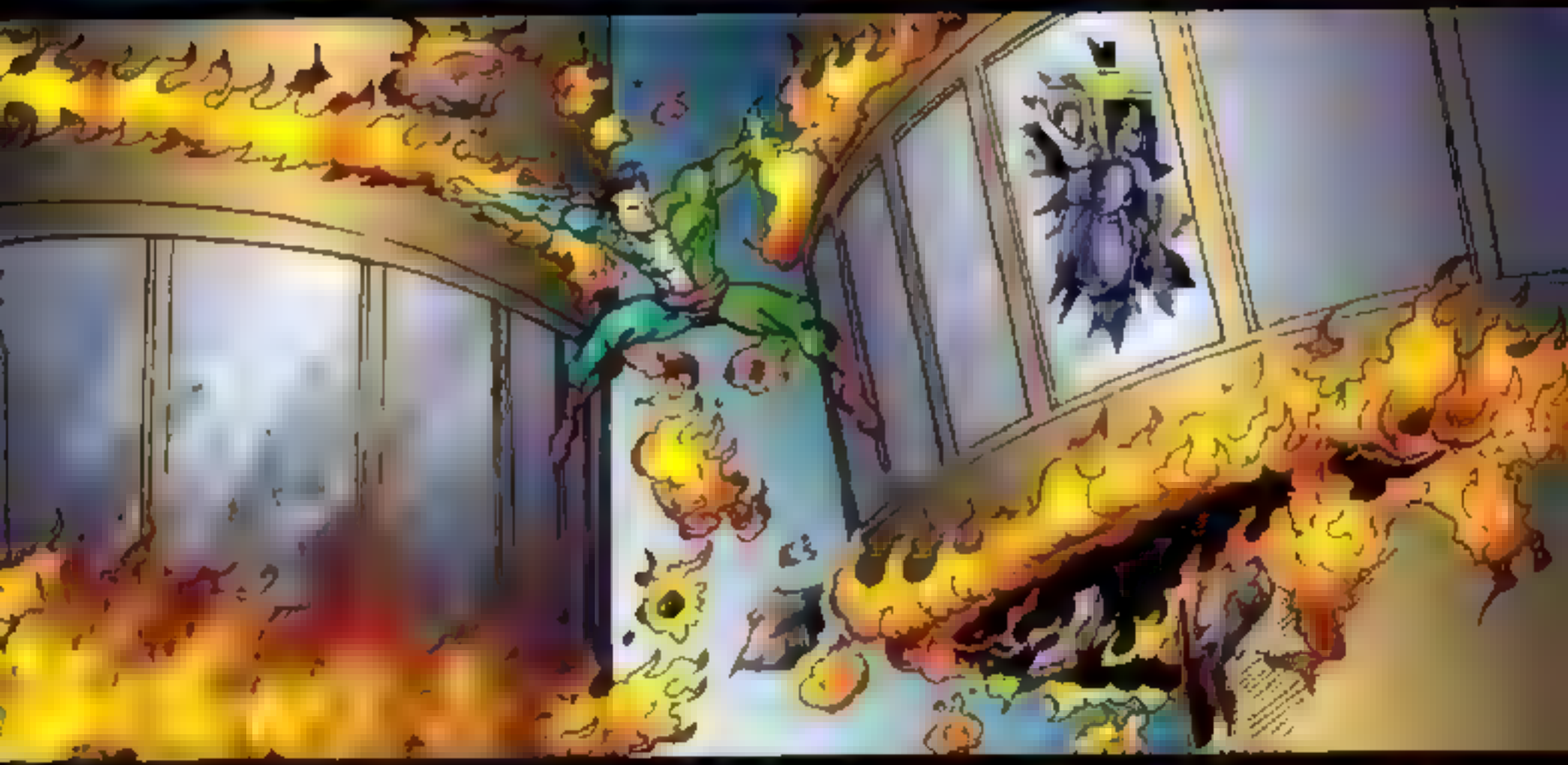
पर शाकल
भाब ने अपना दुनिया का
बिना ही प्रेम दे दिया था।
मिलानुसार टटले में लिफ्ट
एक मिलन था।

वे लुंका ही



और
बिना कला ही

गले की बनने के
बाद मेरे शरीर पर लुका शक्ति
इसरेथ मर चुका है।



कला है बाबर व
मे ये नई शक्ति का तुमने
कला में आई?

लाकड़न की मोटरवाली
से ये शक्तियां हमारे शरीर में
ही जो लाकड़न के मेरे शरीर में आने के
बाद मुझे दाखल हो गई। अब मुझे
ये नही पता कि इतना आल
कल तक रहेगा।



चिन्मय को बहुत
बुरा नीर से हो निकल कर ले
है, इन पहर में कोई लड़ाई के
बातों को उनका गिरा कापल
दिखाता है।



और इन चीजों में
मिलानों को आसानी से
पहुंचने में सक्षम है



यह दुर्घटना
मिलानों के अपने ही गिरा के
बादलों को एक एक कर
कर लगे हुए है



और इनके
आप आप में एक
कमरे को लगे कर देना
उन पर बहुत कर लेना
गिरा से से कभी कभी
तभी आ पाएंगे।



पकड़ा को अभी
भी हमारे ही धारण है
तो आसानी



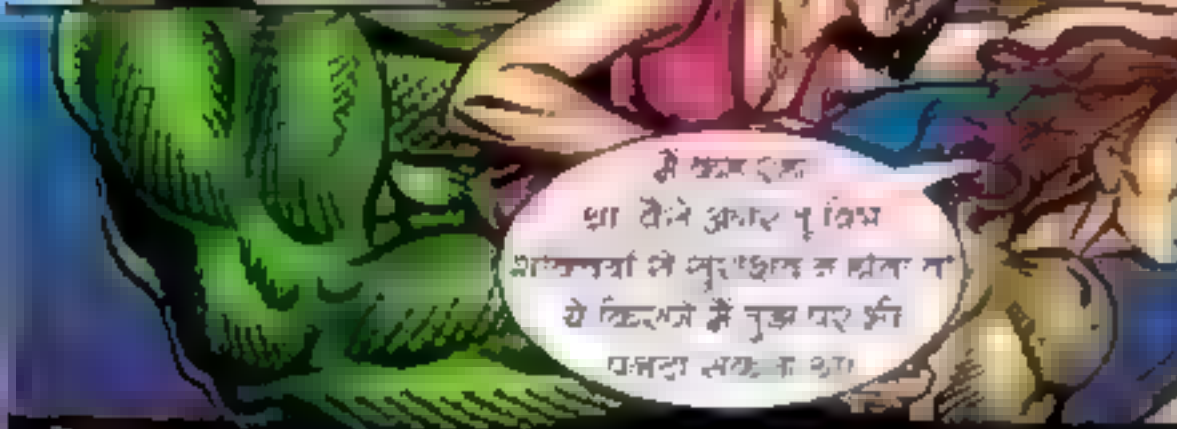
अब फैलना लगे
मेरे और नर शत्रु में लड़ाई
बायलान्त न मे लन्कार का जलन
बड़ा लन्काराधारक और मे हूँ
दुनिया का सबसे बड़ा
महाकायदेवक

जो शत्रु
मेला, उलझा दुनिया
का लड़ाई



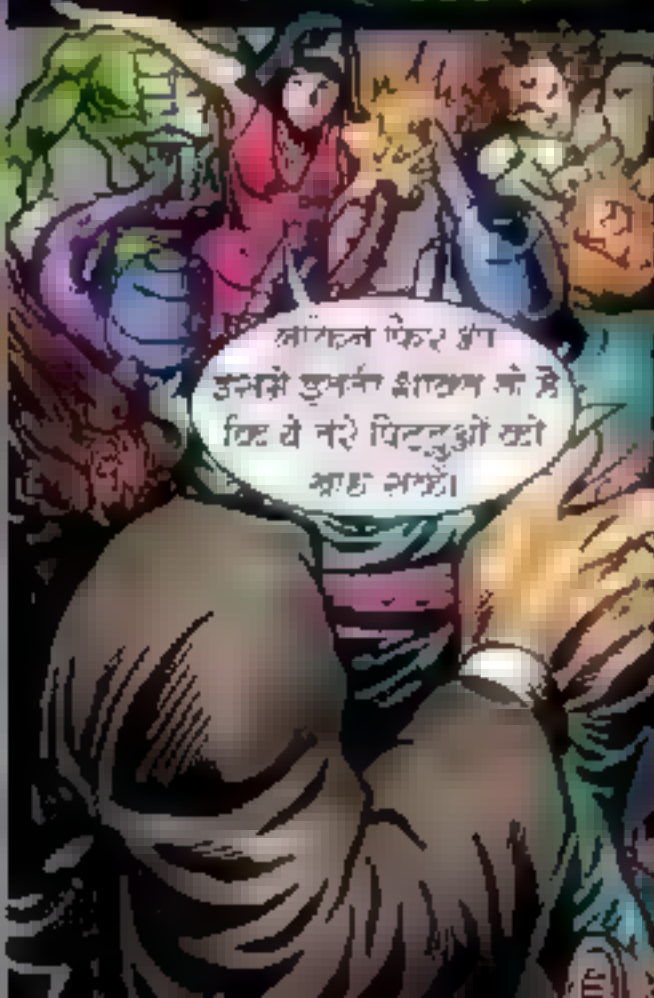
मुला है न
मुला है न
मुला है न

मुला है न
मुला है न
मुला है न



मे कल
आ वेने अन्तर नृविष
शत्रुता मे मुला है न
ये किरण मे मुला है न
पल्लव लगे न था

और मे नर शत्रु
मे मुला है न
मुला है न

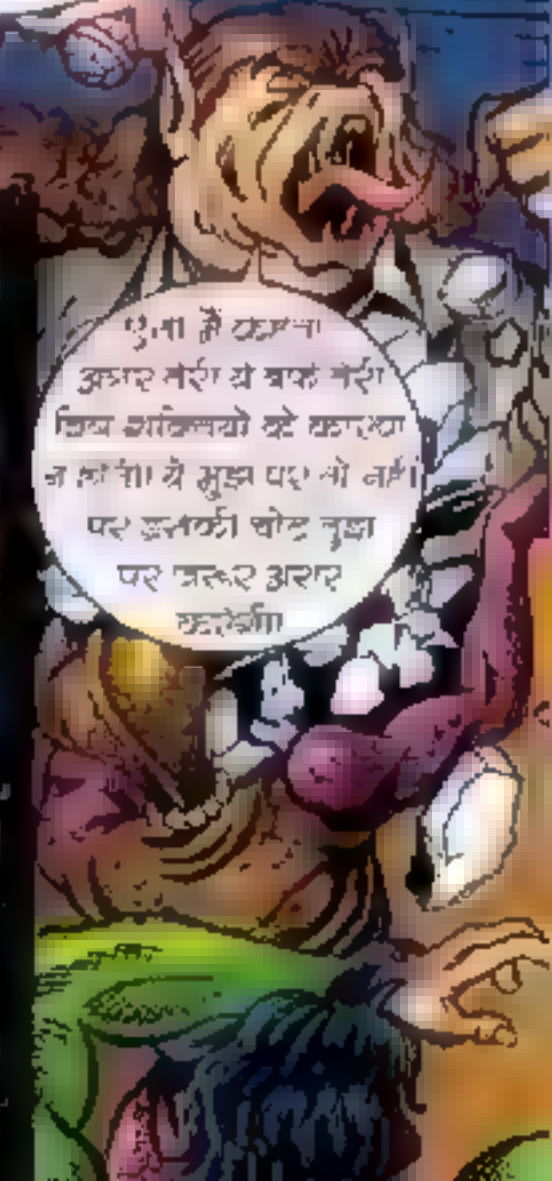


लालन फिर भी
उन्मो हुनन शत्रुता मे
कि ये नरे पिटुओं को
काह लगे



और मुला है न
शत्रु मे लगे को नरे
पाल है, किरण पर लालन का
वेगल कर डेने वाली हुई
कर्म की केल

उन्मो हुनन शत्रुता मे
कि ये नरे पिटुओं को
काह लगे



मुला है न
अन्तर मेला ये बल मेला
विष शत्रुता मे कल
न लगे ये मुला पर नो लगे
पर डलकी चोट मुला
पर लालन अन्तर
कल



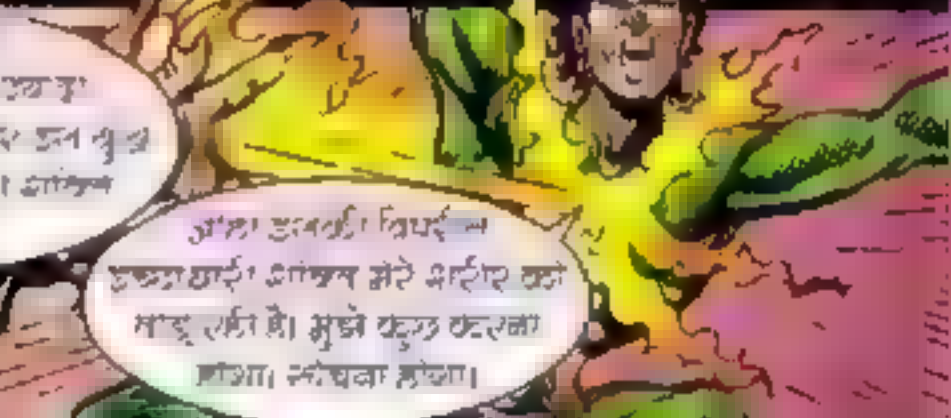
मीन साधू को
जिह्वा लपेटा। अब मेरे
शरीर में अकार इच्छाधारी साधू
बसे श्री साधू को जिलनी की। और मुझे
ये भी पता है कि मैं अपनी इच्छाधारी
आत्मन को एक बड़ा साधू
सो चुका है।



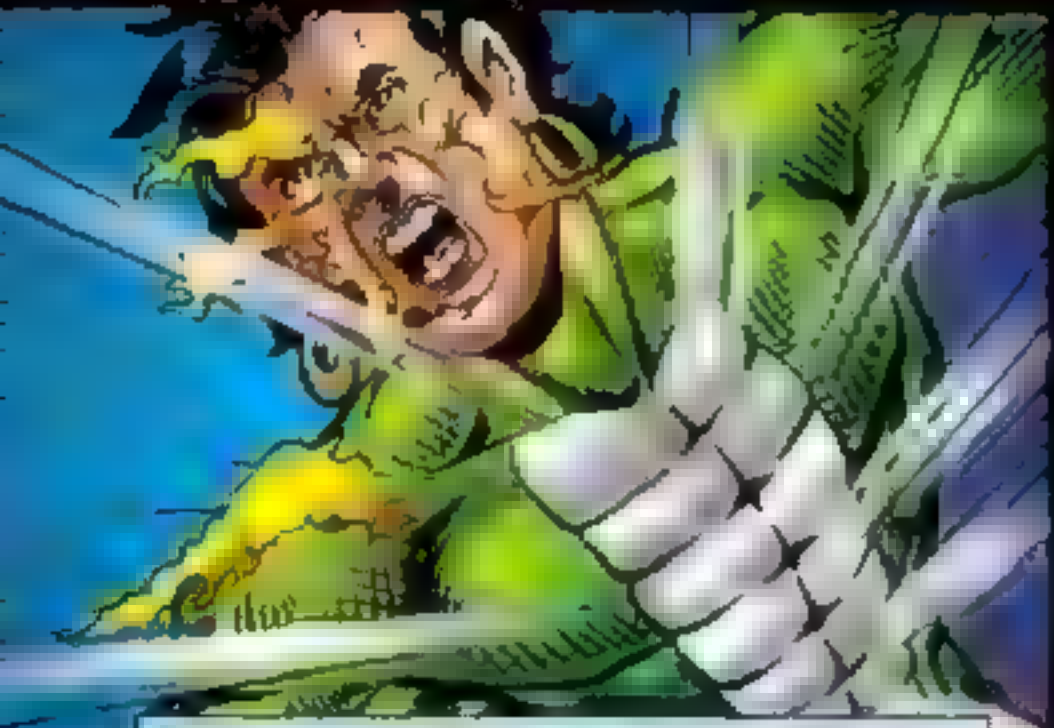
पर मेरे शरीर में
इच्छाधारी साधू बसेन की
गलत बात रही है। मेरे शरीर में
इच्छाधारी में ये सभी मेरे
शरीर में बसेन रहे।



अब मेरे शरीर
में सभी साधू बसेन रहे।
इच्छाधारी साधू में और इन सभी
को जिलनी इच्छाधारी साधू
में बसेन।



अब इनकी विधि में
इच्छाधारी साधू मेरे शरीर को
बांध रही है। मुझे कुछ करना
पड़ेगा। सोचना पड़ेगा।



विपरीत इच्छाधारी को ही साधू साधू आत्मन में बसेन रहे
और पूरी दुनिया में इच्छाधारी बसेन की तब ही बसेन रहे



मुझे भी, बसेन को बसेन में बसेन में बसेन।

आत्मन साधू साधू बसेन
की विपरीत इच्छाधारी आत्मन को
को बसेन की पा रहा है। तब ही
बसेन में बसेन करनी पड़ेगा।

पर हम
नो बसेन में हैं। अब ये
बसेन बसेन तो

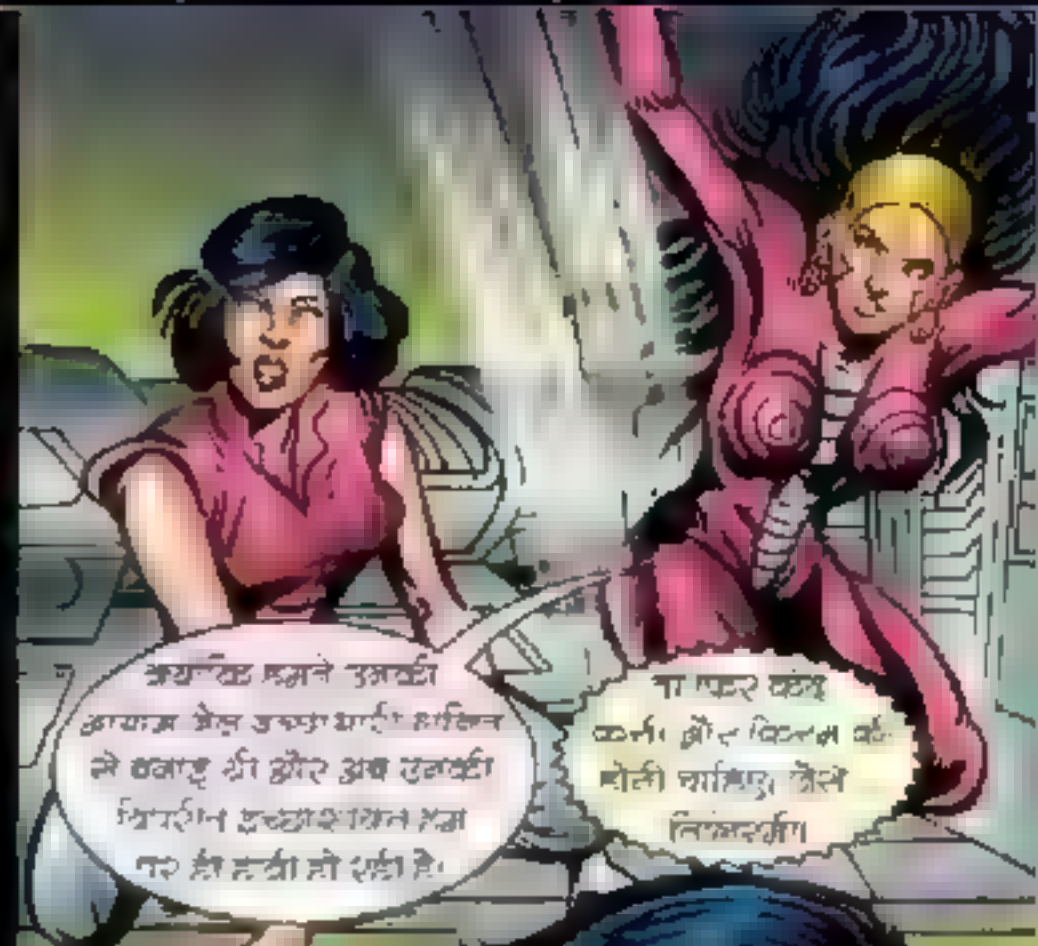
प्रधान साधू
आत्मन।



पहले तो मैंने
झाल रहा था अब तो
कौन है?

कौन!
अचानक मेरा
कण्ठ ही उखड़े-उखड़े
है। किसी कहे-कहा
इस गुलिया से
संभल जाओ।

पर इतना
झालना मुश्किल है और
उत्तर है। अब तो मुश्किल
है कोई करेगा।



अचानक हमने उसकी
आवाज में उछाया-धारी-धारी
से उछाई की और अब उसकी
विशाल उछाया-धारी हम
पर ही गड़ी हो रही है।

ना फिर कोई
करी। और किसी को
कोई चाकिल। जैसे
लिख-रही।

यों तो आस
न कर लकीरी मु पर
इतना उछाया-धारी
कौन करेगा?



"उसकी मुंडाई उछाया-धारी
रहने और उछाई लगी आवाज।"

मुंडा आवाज में
उछाया-धारी-धारी
चाकिल।



कौन-कौन आवाज
रहने उस पर।

और वह मुंडा
किसी-किसी के
उछाया-धारी लगे थे।



अब हम दोनों की
उछाया-धारी आवाजों पर
हैं अब मुकाम पर-पर
का होगा।



विपरीत इच्छाकारी शक्तियों की विद्वेषों चारों तरफ फैलकर पृथ्वी को अपने आगोश में ले रही थी।

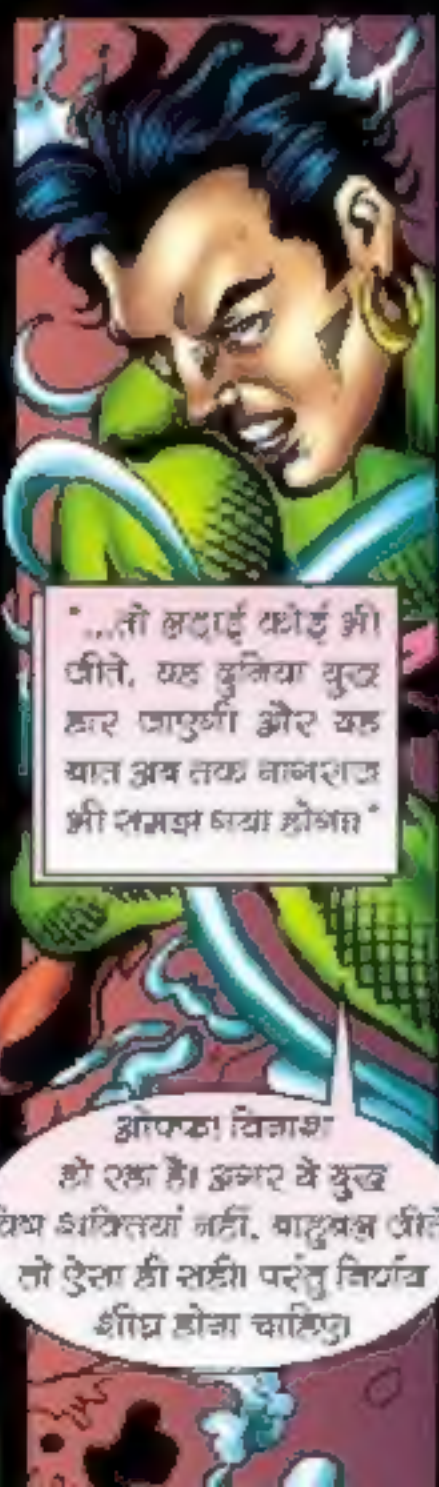


और अपना विचित्र अस्तर दिखा रही थी।



ये क्या हो रहा है?

इच्छाकारी शक्तियों के दुष्प्रभाव साइड इफेक्ट्स। इसी कारण हम इच्छाकारी शक्ति धारक दुनिया से दूर रहते हैं। अगर ये खराब जगह ही किसी निर्णय पर नहीं पहुंची...



"...तो खराब क्यों भी जीते, यह दुनिया कुछ हार जा चुकी और यह बात अब तक मानना भी समझ गया होगा"

ओफ़! विनाश हो रहा है। अगर ये कुछ विषय शक्तियां नहीं, मादुबल जीते, तो ऐसा ही सही। परंतु निर्णय शीघ्र होना चाहिए।



परंतु मादुबल से जीतना इतना आसान नहीं था।

हारता जरूर आसान था।



किंग, नागराज पर हावी हो गया है उसको धार करने का मौका ही नहीं मिल रहा है।

कैसे मिलेगा? इच्छाकारी शक्ति जब किसी की मर्जी से विपरीत उसका आकार बदलती है तो अमानक पीड़ा होती है, भारती।

"बाबा राज इस वक़्त किसकी पीछा सह रहा है इसका अंदाज़ा लगाना भी असंभव है। यक़ीन, मैं उसकी मदद सकती।"

अब तेरे साथ-साथ
पूरे जासूसीय का भी बंटवारा
बनाने का समय आ गया है तेरे
विश्वदंड के साथ किंग क्लैन
का सस्ता साफ हो जाएगा।
बिल्कुल साफ।

साफ।

साफ का अर्थ अंधगी
दूर करना होता है और यहाँ की
अंधगी तुम हो, किंग।

आऽऽऽ! तुममें
पुकापुका इतनी ताकत
कैसे आ गई?

वह बुझ में बाँकलर की
तरफ़ भाग रहा था और बाँकलर में
वही पीतता है जिसमें चोट लगने
की क्षमता उधास होती है।

मुझ पर बेहिसाब
बार करके तुने अपनी इच्छाधारी
शक्ति को खुले हाथों से खर्चा है और
अब तेरी शक्ति मेरे इच्छाधारी
बार का मुकाबला नहीं
कर सकती।

बाबा राज, उसे
लिफ्टरकी बार में
धकेलो।

ओपक! बाबा राज
की इच्छाधारी शक्ति थोड़ी
सी कम पड़ रही है।

और उसे वह अतिरिक्त
शक्ति मेरा राजवंद देना जिसमें
वीनोम इधियारों की इच्छाधारी
शक्ति समाई हुई है।

अब मैं भी
चकता हूँ क्योंकि जहाँ
पर किंग है अब वहीं
मेरा घर है।

तू कौन है, भाई?
और किसकी तरफ़ है?
हमारी या किंग की?

शायद...
चला गया।

नामहीप के नाम
तो घर बहुत सब सामान्य हो
गया है। पर क्या वीनोम के साथ-साथ
तुम्हारी उड़न शक्ति भी समाप्त
हो गई, नामराज?

अभी तक तो नहीं।
पर ये असर कम तक रहेगा
ये डॉक्टर कहनाकरन भी
नहीं बता पा रहे हैं।

नामवंत को क्या
हुआ? वह दुकादुका नामय
कैसे हो गया?

पता नहीं। शायद
इसमें आज्ञा करने वाली
शक्ति ही उसे ले गई।

कस्टमर
आ रहा है मैनेजर
से मिलने।

My name
is Shah!

What Shah?
बाबूशाह?

नामराज
शाह!

नामराज!
यही वाला?

यही वाला!

ह्रीह्रीह्री
Good humour!
हमारा जमेगा
शाह!

हम जापानी
कंपनी 'यामाहामा मशींस'
का बाइज प्रेसीडेंट हैं। सुकोहिता
हमने आपका सिक्योरिटी के बारे में
अच्छा-अच्छा बात सुना है। हमको
अपना बसुड बाइड ऑफिशियल के
लिए आपका सिक्योरिटी
चाहिए।

आप यहां का
मैनेजर हैं?

Yes Mr.
Sukohita

आपका नाम?

एक रहस्य तो हम आपको बताना ही भूल गए। फूडा सही समय पर वाद आ गया।

तो आइए।

म... मैं कहाँ हूँ?
अरे, कोई जगह पर? कोई
तो आओ। मुझे छुड़ाओ। ये कमबख्त
मेरे क्लोन वाले भी मेरे शरीर से
निकल नहीं पा रहे हैं।

हेलो! हेलो!
SSSS!

बोलो, मिस्टर
विंका

तुमने एक्कबम सही
जंवर मिलाया है।

तुम तो... तो वह तुम
थे जो अनुस्यू रूप में हमारे बुद्धमन
की मदद कर रहा था। पर... तुम
विंका कैसे बच गए?

विंका ने जीने
नहीं दिया। वीजोम की पुंटीडोट
ने मरने नहीं दिया तो मैंने सोचा कि
चलो आधा जीवन तो जहर की
स्टडी में बिता दिया...

...अब सोच रहा
हूँ बिना जहर वालों पर
थोड़ी शोध करना।

नहीं SSSSS!